संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 51
पृष्ठ 8
शनिवार
09 नवम्बर 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित    Email : shaharsamta@gmail.com    Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लड़कों के वॉर्डरोब मे....
विचार- रोटी, बेटी, माटी और....
खेल- पाकिस्तान ने ६३ महीने ....

## जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई, खटाखट करने वालों को उपचुनाव में सफाचट करेगी जनता : योगी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर सीएम योगी ने आज एनडीए प्रत्याशी मिथलेश पाल के लिए चुनावी जनसभा करने के लिए मीरापुर पहुंचे। सीएम योगी ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी पर बड़ा हमला बोला। सीएम योगी ने कहा ने समाजवादी पार्टी शासनकाल के दौरान एक नारा बहुत प्रचलित था जहां दिखे सपाई वहां बिटिया घबराई। सीएम योगी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी को घेरा। उन्होंने इस दौरान इंडिया गठबंधन पर जमकर तंज कसा। सीएम ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अब खटाखट शुरू हो गई है। राहुल गांधी ने खटा खटा का जनता के साथ झूठा वादा किया जब उपचुनाव में प्रदेश की जनता जवाब देने के लिए तैयार बैठी है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि पांच अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त करके कश्मीर घाटी में आतंकवाद के ताबूत में अंतिम कील ठोकने का काम किया। उन्होंने कहा, ''संसद द्वारा स्वीकृत इस ऐतिहासिक निर्णय ने संविधान से जम्मू–कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त कर दिया। इसके बाद दुनिया ने एक नए शक्तिशाली भारत को देखा जो शांतिपूर्ण था लेकिन अपनी रक्षा के लिए दृढ़ था। मुख्यमंत्री ने अपनी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और कहा कि राष्ट्र अपनी पहचान तथा एकता की रक्षा के लिए कोई भी बलिदान देने के लिए तैयार है। उन्होंने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर की आपत्ति के बावजूद कांग्रेस ने संविधान में अनुच्छेद 370 को शामिल किया, जिससे कश्मीर हिंसा और आतंकवाद के रास्ते पर चला गया। आदित्यनाथ ने इसके बाद के घटनाक्रम को याद किया, जिसमें व्यापक हिंसा, कश्मीरी पंडितों की लक्षित हत्याएं और भारत के समर्थन में आवाज उठाने वाले किसी भी व्यक्ति पर क्रूर हमले शामिल थे। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने शुरू में अनुच्छेद 370 को 'अस्थायी प्रावधान' करार दिया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने ही इसे खत्म करने का साहसिक कदम उठाया। आज कश्मीर नए शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, उद्योग और सुरक्षा की नई भावना के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आदित्यनाथ ने कहा कि अनुच्छेद 370 बहाल नहीं हो सकता और न ही होगा। उन्होंने कहा कि यह सामूहिक हिंसा, आतंकवाद और असंख्य निर्दोष लोगों के नरसंहार का मूल कारण था। उन्होंने कहा कि इसने धार्मिक चरमपंथ को बढ़ावा देकर और क्षेत्र को आतंकवाद का गढ़ बना दिया जिसने कश्मीर के सामाजिक सद्भाव और सौंदर्य को नष्ट कर दिया।

पीएम मोदी का राहुल गांधी पर वार, बोले-

## केवल बैसाखियों पर ही जिंदा कांग्रेस

● **सिर्फ दिखावे के लिए जेब में संविधान की किताब लेकर घूमते हैं**

नासिक, एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के पहले दिन मुझे नासिक की पुण्य भूमि पर आने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि जब अयोध्या में राम मंदिर की 500 साल की प्रतीक्षा पूरी हुई, जब प्रभु राम एक बार फिर वापस आए, तब अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले 11 दिनों के मेरे व्रत अनुष्ठान की शुरुआत यहीं नासिक से शुरू हुई थी। मुझे कालारम मंदिर में सफाई और सेवा का अवसर भी मिला था। आज एक बार फिर 'विकसित महाराष्ट्र और विकसित भारत' के लिए मैं नासिक का आशीर्वाद लेने आया हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा देश नए रिकॉर्ड बना रहा है, क्योंकि आज देश में गरीबों की चिंता करने वाली सरकार है। जब गरीब आगे बढ़ता है, तभी देश आगे बढ़ता है। इतने दशकों तक कांग्रेस और उसके साथियों ने गरीबी हटाओ का नारा दिया फिर भी गरीब रोटी, कपड़ा और मकान के लिए मोहताज रहा। लेकिन बीते 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि आज आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स में महाराष्ट्र बहुत आगे है। यहां हाई–वे, एक्सप्रेस–वे बन रहे हैं। आधुनिक तकनीकी के क्षेत्रों में यहां निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कोई सरकार ये काम रोक दे, तो क्या महाराष्ट्र आगे बढ़ पाएगा, महाराष्ट्र के युवाओं को क्या रोजगार के अवसर मिल पाएंगे? अगर ये काम रूके तो महाराष्ट्र काफी पीछे छूट जाएगा। कांग्रेस और उसके साथी यही चाहते हैं, उनका यही एजेंडा है। महाराष्ट्र में कोई भी बड़ा काम होता है, तो ये लोग उसका विरोध करने आ जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अघाड़ी वाले लोग देश को पीछे करने का, देश को कमजोर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। इन लोगों ने डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में देश को पीछे करने के लिए क्या कुछ नहीं किया!

## भाजपा की विचारधारा के कारण जला मणिपुरः राहुल गांधी

सिमडेगा, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज झारखंड के सिमडेगा में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि मैं आपको मणिपुर के बारे में बताता हूं। भाजपा ने मणिपुर को जला दिया और आज तक, भारत के प्रधान मंत्री ने वहां का दौरा नहीं किया है। इसका मतलब है कि उन्होंने इस बात को मान लिया है कि मणिपुर जैसा कोई राज्य नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा की विचारधारा के कारण मणिपुर जला। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मैं चाहता हूं कि अगर यह देश चले, तो 90प्रतिशत लोग इस देश को चलाएं और बीजेपी चाहती है कि देश को 2–3 लोग चलाएं– पीएम नरेंद्र मोदी, एचएम अमित शाह, अंबानी और अडानी – और पूरे देश की संपत्ति, चाहे आपकी ज़मीन हो, चाहे जंगल हो – सब आपसे छीन लिया जाएगा और इन 10–15 बड़े अरबपतियों को दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया है। उनमें आपको एक भी आदिवासी, दलित या पिछड़ा वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा। जब हम कहते हैं कि किसानों का कर्ज माफ होना चाहिए तो वो कहते हैं कि देखो राहुल गांधी किसानों की आदत खराब कर रहे हैं। जब आपने उनका कर्ज माफ किया तो क्या आपने उनकी आदतें खराब नहीं कर दीं? राहुल ने भाजपा पर आरोप लगाया कि ये दलित और अल्पसंख्यकों के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि देश में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की कोई भागीदारी नहीं है। देश के दलित, पिछड़े और आदिवासी वर्ग के लोग सक्षम हैं। आप में कोई कमी नहीं है। आप हर तरह का काम कर सकते हैं, लेकिन आपके रास्ते को रोका जाता है।

## ओडिशा में कॉलेज छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, छह गिरफ्तार

कटक, एजेंसी। ओडिशा के कटक जिले में 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा से कई दिनों तक दुष्कर्म करने और इस कृत्य का वीडियो बनाने के आरोप में एक नाबालिग समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि छात्रा ने कटक के बादामबाड़ी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उसके प्रेमी सहित अन्य आरोपियों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। कॉलेज छात्रा ने आरोप लगाया कि वह दशहरा उत्सव के दौरान अपना जन्मदिन मनाने के लिए शहर के पुरीघाट पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले एक कैफे में गई थी, जहां उसके प्रेमी ने कथित तौर पर कैफे मालिक की मदद से उनके कुछ अश्लील कृत्यों को अपने फोन में कैद कर लिया।

## भ्रष्टाचार एक बीमारी, जड़ से खत्म किया जाना जरूरी : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विश्वास व्यक्त किया है कि सरकार की "भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने" की नीति भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त कर देगी। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि भारतीय समाज में ईमानदारी और अनुशासन को जीवन का आदर्श माना जाता है। लगभग 2300 साल पहले मेगस्थनीज ने भारतीय लोगों के बारे में लिखा था कि वे अनुशासनहीनता को नापसंद करते हैं और कानून का पालन करते हैं। उनके जीवन में सादगी और तपस्या सन्निहित है। फाहियान ने हमारे पूर्वजों के बारे में इसी तरह का उल्लेख किया है। इस संदर्भ में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की इस वर्ष की विषय वस्तु 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति' बहुत उपयुक्त है। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्वास सामाजिक जीवन की नींव है। यह एकता का स्रोत है। सरकार के काम और कल्याणकारी योजनाओं में जनता का विश्वास शासन की शक्ति का स्रोत है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार न केवल आर्थिक प्रगति में बाधा है, बल्कि यह समाज में विश्वास को भी कम करता है। यह लोगों में भाईचारे की भावना को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है। इसका देश की एकता और अखंडता पर भी व्यापक प्रभाव पड़ता है। हर वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर हम देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेते हैं। यह केवल एक रस्म तक सीमित नहीं है। यह गंभीरता से लिया जाने वाला संकल्प है। इसे पूरा करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

## छत्तीसगढ़ में फिर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, 2 हुए ढेर

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। जारी सूचना के मुताबिक, घटना आज सुबह करीब 11 बजे की है, जब सुरक्षाकर्मियों की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आज सुबह करीब 11 बजे उसूर–बासागुड़ा–पामेड़ इलाके के ट्राई–जंक्शन पर एक जंगल में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी हुई।

इसके अलावा, यह ध्यान रखना उचित है कि वर्तमान मुठभेड़ छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में अलग–अलग अभियानों में सुरक्षा बलों द्वारा 19 नक्सलियों, जिनमें से तीन इनामी थे, को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। जारी की गई जानकारी के अनुसार, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 219वीं और 150वीं बटालियन और कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन–सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई) की 201वीं बटालियन की संयुक्त टीमें शामिल थीं। अधिकारियों ने बताया कि जगरगुंडा पुलिस थाना क्षेत्र में 14 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि पांच को भेज्जी पुलिस थाना सीमा के भीतर रविवार को हिरासत में लिया गया। सुरक्षा बलों ने 14 कैडरों से तीन जिलेटिन की छड़ें, 300 ग्राम बारूद, कॉर्डेक्स तार, डेटोनेटर, बिजली के तार और बैटरी भी जब्त कीं।

## राहुल गांधी पर हिमंत बिस्वा सरमा का पलटवार, हिंदू समाज को बांटने का लगाया आरोप

असम, एजेंसी। असम के सीएम और झारखंड बीजेपी के सह–प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने हिंदू समाज को बांटने की जो साजिश रची है, ऐसा तो अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के दुश्मन राहुल गांधी समाज को बांटना चाहते हैं। सरमा ने दावा किया कि हेमंत सोरेन घुसपैठियों के लिए काम करते हैं। वह आदिवासी समाज के कल्याण के लिए काम नहीं करते। राहुल पर अपना हमला

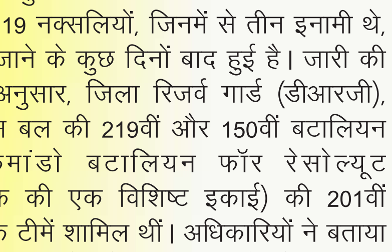

जारी रखते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि वह झारखंड के कल्याण के लिए काम नहीं करते। इसीलिए तो हम लोग कहते हैं एकजुट रहो, सुरक्षित रहो। भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री और कांग्रेस–जेएमएम नेता अपनी रैलियों में जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे साबित होता है कि वे घबराये हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि यहां तक घ्कि उन्होंने भी स्वीकार कर लिया है कि वे जीतने वाले नहीं हैं। हमें चुनाव प्रक्रिया या चुनाव आयोग, राज्य सरकार या केंद्र सरकार की भूमिका से कोई समस्या नहीं है। वहीं, आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज झारखंड के सिमडेगा में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि मैं आपको मणिपुर के बारे में बताता हूं। भाजपा ने मणिपुर को जला दिया और आज तक, भारत के प्रधान मंत्री ने वहां का दौरा नहीं किया है। इसका मतलब है कि उन्होंने इस बात को मान लिया है कि मणिपुर जैसा कोई राज्य नहीं है।

# सपा नेता इरफान सोलंकी की सजा के खिलाफ सुनवाई पूरी, अदालत ने सुरक्षित किया फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को सीसामऊ विधानसभा से विधायक रहे इरफान सोलंकी के मामले की सुनवाई पूरी हो गई। बुधवार को इरफान सोलंकी के वकीलों ने अपना पक्ष रखा जबकि बृहस्पतिवार को सरकार की ओर से दलील पेश की गई। दोनों पक्षों की ओर से तर्कों को सुनने के बाद शुक्रवार को सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया है। अब इस पर कभी भी फैसला आ सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में इरफान सोलंकी की अपील पर सुनवाई शनिवार को भी हो सकती है। कोर्ट शाम तक इस मामले में अपना फैसला भी सुना सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इरफान सोलंकी की अपील को हाईकोर्ट से 10 दिनों में निस्तारित करने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह प्रथम की अदालत कर रहे है। इरफान सोलंकी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल

स्वरूप चतुर्वेदी, इमरान उल्ला व उपेंद्र उपाध्याय ने कोर्ट में कहा कि मुकदमा वादिनी नजीर फातिमा की ओर से विवेचक को दिए गए बयान, कलमबंद और कोर्ट ने दिए गए बयानों में विरोधाभास है। नजीर फातिमा ने गवाही की और जिरह में स्वीकार किया कि झोपडी में आगजनी कब, कैसे लगी, व किसने लगाई उसे मालूम नहीं है। जब वह घटना स्थल पर पहुंची तब उसका घर जल रहा था। लिहाजा, मुकदमा वादिनी प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं है। इरफान सोलंकी को राजनैतिक रंजिश के तहत फंसाया गया है। सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता के एम नटराजन, शासकीय अधिवक्ता आशुतोष कुमार संड ने दलील पेश की। कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट के मुताबिक झोपड़ी में आग पटाखे से नहीं बल्कि पेट्रोल और केरोसीन जैसे ज्वलनशील पदार्थ से लगाई गई थी। इरफान, रिजवान समेत सभी आरोपी मौके पर मौजूद थे। गौरतलब है कि 8 नवंबर 2022 को सपा विधायक इरफान सोलंकी, उसके भाई रिजवान, इजरायल आटेवाला, मो. शरीफ, शौकत अली, अनूप यादव, महबूब आलम, शमशुद्दीन उर्फ चच्चा, एजाजुद्दीन उर्फ सबलू, मो. एजाज, मुरसलीन भोलू, शकील चिकना के खिलाफ नजीर फातिमा ने अपनी झोपड़ी में आगजनी करने का मुकदमा जाजमऊ थाने में दर्ज कराया था। जून 2024 में कानपुर की विशेष अदालत ने इरफान सोलंकी उनके भाई रिजवान, इजरायल आटेवाला, मो. शरीफ व शौकत अली को दोषी करार देते हुए सात साल की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ सभी दोषियों ने अपील दाखिल की है। जबकि राज्य सरकार ने इन्हें उम्रकैद दिए जाने की मांग की है।

गौरतलब है कि जाजमऊ थाना क्षेत्र के डिफेंस कॉलोनी निवासी नजीर फातिमा की झोपड़ी में आग लगाने के मामले में कानपुर नगर की एमपी-एमएलए की विशेष अदालत ने इरफान, उसके भाई रिजवान समेत दस को सात साल कारावास की सजा सुनाई थी। सजा को रद्द करने की मांग के साथ इरफान और रिजवान ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वहीं, प्रदेश सरकार ने सात साल की सजा को नाकाफी बताते हुए उम्रकैद की मांग की है।

## निरंजनी अखाड़े के महंत ने तीन करोड़ में बेचा मठ, बैठाई गई पंच परमेश्वर की जांच

प्रयागराज। महाकुंभ से पहले निरंजनी अखाड़े के एक महंत ने तीन करोड़ रुपये में अलोपीबाग में स्थित मठ का भवन बेच दिया है। भवन का सौदा होने की जानकारी मिलने के बाद पंच परमेश्वर की जांच बैठा दी गई। साथ ही निरंजनी अखाड़े के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने पंच परमेश्वर की रिपोर्ट पर भवन बेचने के आरोपी महंत महावीर गिरि चोटी को अखाड़े से बर्खास्त कर दिया है।

बर्खास्त महंत के खिलाफ एफआईआर के लिए दारागंज थाने में तहरीर दे दी गई है। निरंजनी अखाड़े की संगमनगरी के अलावा गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में अरबों रुपये की भूमि और भवनों की संपदा है। शहर के अलोपीबाग स्थित भवन संख्या 387ध123 को महंत महावीर गिरि चेला लक्ष्मी नारायण गिरि ने वाराणसी की अस्सी निवासिनी रितिका पांडेय के नाम तीन करोड़ रुपये में बेच दिया है। इस भवन पर महंत महावीर गिरि के साथ ही महंत आनंद गिरि का भी नाम दर्ज था। लेकिन, महावीर गिरि ने फर्जी वसीयतनामा बनवाकर और महंत आनंद गिरि को रिकॉर्ड में मृतक दिखाकर भवन का सौदा कर डाला। पंच परमेश्वर की रिपोर्ट के मुताबिक जब यह भवन महंत महावीर गिरि ने बेचा, तब आनंद गिरि जीवित थे। जबकि, महंत आनंद गिरि ने उस भवन के अलावा अन्य भवन और भूमि का अपने शिष्य महंत राम सेवक गिरि के नाम से रजिस्टर्ड वसीयतनामा कर पहले ही कर दिया था। अलोपीबाग का भवन बिकने की जानकारी मिलने के बाद महंत राम सेवक गिरि ने दारागंज थाने में महंत महावीर गिरि के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए तहरीर दी है। उधर, अलोपीबाग में मठ बिकने की जानकारी मिलने के बाद पंचायती अखाड़ा निरंजनी की कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई। निरंजनी अखाड़े के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी की मौजूदगी में हुई इस बैठक में महंत महावीर गिरि को भवन बेचने के आरोप में अखाड़े से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया। साथ ही महावीर गिरि को निरंजनी अखाड़े की सभी मढ़ियों और संपत्तियों से बेदखल करने का भी निर्णय लिया गया। इस बैठक में बलबीर गिरि,दिगंबर उमेश भारती, दिगंबर गंगा गिरि, दिगंबर राकेश गिरि, महंत ओंकार गिरि, महंत नरेश गिरि और महंत रवींद्र पुरी शामिल थे। महंत महावीर गिरि को अलोपीबाग में एक संत को मृतक दिखाकर अखाड़े का भवन बेचने का दोषी पाया गया है। इस मामले में महंत महावीर गिरि को अखाड़े से बर्खास्त कर दिया गया है।

## संघर्षों के बीच दीक्षा साध रही हैं लक्ष्य पर निशाना, ओलंपिक में पदक जीतने का है सपना

प्रयागराज। यमुनापार के मेहवा में स्थित गंगोत्रीनगर की रहने वाली दीक्षा वैश्य रोजना 15 किलोमीटर की दूरी तय कर मेहवा से तेलियरगंज आती हैं और निशाना साधती हैं। दीक्षा बताती हैं कि वे एक बार मेले में गुब्बारे पर निशाना लगाने वाली दुकान पर पहुंचीं। 20 में से 18 गोली से गुब्बारे फोड़ दिए। इस पर दुकान वाले ने कहा कि निशाना इतना अच्छा है तो निशानेबाज क्यों नहीं बन जाती। इसी एक शब्द ने उन्हें निशानेबाजी के क्षेत्र में जाने के लिए प्रेरित कर दिया। दीक्षा ओलंपिक में निशाना लगाने की तैयारी कर रही हैं। पिता फेरी लगाने का काम करते हैं। पिता की आर्थिक स्थिति को देखकर कभी घर पर कहने की हिम्मत नहीं हुई। हालांकि, निशानेबाजी का इतना जुनून था कि खुद ही शूटिंग रेंज के बारे में पता किया। रेंज घर से 15 किलोमीटर दूर होने और फीस ज्यादा होने के चलते अरमान को दिल में ही संजो कर रह गई। इसके बाद दीक्षा ने फैसला किया कि खुद कमाएंगी और इसके जरिये ही रेंज में अभ्यास करेंगी। फिर दीक्षा ने घर–घर जाकर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया। कुछ धन इकट्ठा हुआ तो पिता के सहयोग से रेंज में दाखिला ले लिया। 15 किलोमीटर दूर रेंज में सुबह चार बजे पहुंचना आसान नहीं था, लेकिन दृढ़शक्ति इतनी मजबूत थी कि मौसम की हर मार झेलते हुए सुबह चार बजे साइकिल से गंगोत्रीनगर से तेलियरगंज का सफर तय करने लगीं। कई बार उतार–चढ़ाव की स्थिति आई। पैसे की व्यवस्था नहीं हो पाने के कारण एक वक्त ऐसा भी आया की उन्हें आठ महीने के लिए रेंज को छोड़ना पड़ा, लेकिन फिर पैसों की व्यवस्था कर रेंज को दोबारा ज्वाइन किया। लक्ष्य सिर्फ एक है कि निशानेबाजी में इतना माहिर हो जाना है कि ओलंपिक में देश के लिए पदक जीत सकें। दीक्षा का कहना है कि यह बेहद महंगा और बड़ा सपना है, लेकिन यह सपना उन्हें कभी सोने नहीं देता है। ट्यूशन पढ़ाकर निशानेबाजी की फीस ही अदा हो सकती है, किट की व्यवस्था किसी तरह कर पाई हैं। पिता का कहना है कि बेटी के सपने में ही उनका सपना है। बेटी की हर संभव मदद कर रहे हैं और वह जरूर देश के लिए पदक जीतेगी। 21 वर्षीय दीक्षा राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी हैं और प्री–स्टेट में स्वर्ण व रजत पदक भी जीत चुकी हैं। इसके अलावा 15 से 31 दिसंबर तक भोपाल में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। शहर के प्रतिभावान लोगों ने हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम किया है और शहर का नाम वैश्विक स्तर पर बुलंद किया है। निशानेबाजी ऐसा खेल है, जहां प्रयागराज का प्रतिनिधित्व अभी उस तरह का नहीं है, जैसा होना चाहिए।

## सहायक अध्यापक की लाश नहर में उतराती मिली, हत्या की आशंका, कल से ही चल रहे थे लापता

प्रयागराज। प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक सुनील कुमार गौड़ (32) की लाश शुक्रवार को मेजा थाना क्षेत्र के बसहरा गांव में नहर के पानी में उतराई मिली। सड़क के किनारे पाई गई। वह कल से ही लापता चल रहे थे और परिजन उनकी खोजबीन में जुटे थे। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। उनकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। करछना थाना क्षेत्र के कौवा गांव के रहने वाले सुनील कुमार गौड़ कौंधियारा ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय प्राथमिक विद्यालय सेमारी में बतौर सहायक अध्यापक तैनात थे। वह बृहस्पतिवार से ही लापता चल रहे थे। परिवार के लोग उनकी खोजबीन में जुटे थे। शुक्रवार को बसहरा गांव के ललई का पुरा मजरे में नहर के पानी में उतराई मिली। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। जेब में मिले परिचय पत्र के आधार पर उनकी पहचान की गई। पुलिस की सूचना पर परिवार के लोग भी पहुंच गए। करछना थाना क्षेत्र के कौवा गांव निवासी बच्चा गौड़ के दो पुत्रों में बड़े सुनील कुमार गौड़ (32) पहले शिक्षा मित्र थे। बाद में वह सहायक अध्यापक बन गए। उनके दो बच्चे हैं। पत्नी रागिनी गौड़ का रो–रोकर बुरा हाल है। पत्नी के अनुसार कोरांव के रहने वाले बाबा आदिवासी नाम के एक व्यक्ति ने सुनील से दो लाख रुपये लिए थे। काफी समय बीत जाने के बाद भी वह पैसा वापस नहीं कर रहा था। इसको लेकर सुनील का उससे विवाद चल रहा था। बाबा ने बृहस्पतिवार को पैसा वापस करने के लिए बुलाया था, लेकिन सुनील वापस नहीं आए और उनकी लाश नहर में मिली। परिजनों ने बाबा पर ही हत्या का शक जाहिर किया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष मेजा राजेश उपाध्याय ने बताया कि प्रथम दृष्टया हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। शरीर पर कुछ जगह जख्म हैं जो जलीय जंतुओं के काटने के भी हो सकते हैं। फिलहाल छानबीन की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

## उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाएं पूर्ण किया व्रत, संगम समेत गंगा-यमुना के घाटों पर उमड़ी भीड़

प्रयागराज। छठ महापर्व के चौथे व अंतिम दिन शुक्रवार को महिलाओं ने सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत को पूर्ण किया। भोर से ही संगम तट समेत गंगा और यमुना के घाटों पर महिलाओं की भारी भीड़ जमा हो गई। घाटों पर मेले जैसा नजारा रहा। पानी में खड़ी होकर महिलाओं ने सूप में पूजन और प्रसाद सामग्री लेकर उगते हुए भगवान भास्कर को नमन करने के साथ परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही छठी मैया और भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया गया। महिलाओं ने एक दूसरे की मां में सिंदूर लगाया और अखंड सौभाग्य की

कामना की। संगम तट समेत बलुआ घाट, किला घाट, सरस्वती घाट, दारागंज घाट, काली घाट, महावीर घाट, रामघाट समेत नैनी, फाफामऊ, झूंसी, शंकरगढ़, मेजा, करछना, बारा, सोरांव, श्रृंगवेरपुर आदि गंगा घाटों पर महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार के मंगलमय भविष्य और सुख समृद्धि की कामना की। घाटों पर साफ–सफाई का विशेष प्रबंध किया गया था। संगम तट पर भगवान सूर्य की प्रतिमा दर्शन के लिए भी काफी भीड़ रही। सूर्य उपासना का महापर्व डाला छठ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शुक्रवार सुबह 6रू30 के करीब व्रती महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पुत्र व परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। गंगा, यमुना और टोंस नदी समेत नहर व तालाबों में व्रती महिलाओं ने परंपरागत तरीके से गन्ने को पानी में गाड़ कर विधि विधान से छठी मैया का पूजा अर्चना किया। इसके बाद उगते सूर्य को अर्ग देकर व्रत को पूर्ण किया। व्रती महिलाओं के साथ घाट पर मौजूद पुत्र पति व परिवार के अन्य सदस्यों ने भी सूर्य को अर्घ्य दिया। डाला छठ पर्व को लेकर बृहस्पतिवार रात से ही घाटों पर ढोल नगाड़ा व भक्ति गीतों की गूंज रही। घाट पर मौजूद लोगों के द्वारा जमकर आतिशबाजी भी की गई।


# कार्यालय ग्राम पंचायत औंझर, विकासखंड मऊ, चित्रकूट

पत्रांक : राजवित्त / 15वॉं वित्त / टेंडर नोटिस / 2024–2025 दिनांक : 08.11.2024

**अल्पकालीन निविदा सूचना**

राजवित्त / 15वॉं वित्त योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर / आयकर में पंजीकृत फर्मों / सप्लायरों से दिनांक 15.11.2024 को अपरान्ह 01 बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदायें आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह 03 बजे तक ग्राम पंचायत में तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओं के साथ खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 09.11.2024 से 15.11.2024 को अपरान्ह 01 बजे तक ग्राम पंचायत में विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते हैं।

| क्र0 सं0 | कार्य का नाम | सामग्री का विवरण | मात्रा | प्राकलन की धनराशि लाख रु0 में | प्रतिशत धरोहर धनराशि रु0 में | निविदा मूल्य रु0 में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01. | ग्रा0पं0 औंझर के पू0मा0वि0 में इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य। | प्राकलन के अनुसार | प्राकलन के अनुसार | ₹ 2.82 लाख | 2% | ₹ 500 |

निविदा शर्तेः–

नोट– निविदा से समबन्धित शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
औंझर, मऊ, चित्रकूट

ग्राम पंचायत
प्रधान औंझर


## भर्ती के दौरान दो बड़े बदलाव करने पर घिरा यूपीपीएससी, अभ्यर्थियों ने आयोग की मंशा पर उठाए सवाल

प्रयागराज। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 और समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध्सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 में हुए दो बड़े बदलाव के बाद उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। अभ्यर्थियों ने इसके खिलाफ न्यायालय में याचिका दाखिल करने का निर्णय लिया है। अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) भर्ती प्रक्रिया के बीच में नियमों में बदलाव नहीं कर सकता है। राजस्थान में अनुवादक भर्ती के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद अभ्यर्थियों ने यूपीपीएससी की ओर से भर्ती प्रक्रिया के दौरान किए गए दो बड़े बदलावों के खिलाफ न्यायालय जाने की तैयारी की है। अभ्यर्थियों के अनुसार आयोग की ओर से जारी पीसीएस परीक्षा–2024 के विज्ञापन में नॉर्मलाइजेशन की कोई व्यवस्था नहीं थी। अभ्यर्थियों ने सवाल उठाए हैं कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद आयोग बीच में नॉर्मलाइजेशन कैसे लागू कर सकता है। वहीं, आरओध्एआरओ परीक्षा–2023 के विज्ञापन में प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य अध्ययन और सामान्य हिंदी के दो अलग–अलग प्रश्नपत्रों का प्रावधान था। बाद में आयोग ने दोनों प्रश्नपत्रों को मर्ज करते हुए एक कर दिया और परीक्षा दो दिन में तीन पालियों में कराने का निर्णय लिया। यह भी नियमों के विपरीत है, क्योंकि आयोग ने विज्ञापन जारी होने के बाद प्रारंभिक परीक्षा के प्रारूप में बदलाव किया। इस तरह आयोग ने पीसीएस और आरओध्एआरओ परीक्षा के विज्ञापन के विपरीत जाकर भर्ती प्रक्रिया के बीच में दो बड़े बदलाव किए, जो अभ्यर्थियों को मंजूर नहीं हैं। प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी प्रशांत पांडेय का कहना है कि समिति इसके खिलाफ न्यायालय में याचिका दाखिल करेगी, क्योंकि आयोग ने परीक्षाओं के नोटिफिकेशन से छेड़छाड़ की है, जो नियमों का उल्लंघन है। प्रशांत के मुताबिक राजस्थान में अनुवादक भर्ती के एक मामले में देश की शीर्ष अदालत की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि भर्ती के बीच में नियम नहीं बदले जा सकते। पीसीएस एवं आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा दो दिन कराए जाने और नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया लागू के जाने के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों को इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव विक्रांत पांडेय अपना समर्थन दिया है। उन्होंने समर्थन पत्र में कहा है कि परीक्षा नियमों में बेवजह बदलाव कर आयोग अभ्यर्थियों पर अनावश्यक दबाव बढ़ा रहा है। ऐसे में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अभ्यर्थियों के साथ है और उनके संघर्ष का समर्थन करता है। वहीं, आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रतियोगी आशुतोष पांडेय ने कहा कि 11 नवंबर को आयोग पर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी जुटेंगे और आयोग के निर्णय के खिलाफ व्यापक आंदोलन होगा।

## पटाखे नहीं, पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की मौजूदगी में पेट्रोल व केरोसीन से झोपड़ी में लगाई गई आग

प्रयागराज। पटाखे नहीं, इरफान सोलंकी की मौजूदगी में झोपड़ी में आग लगाई गई थी। यह दलील सरकारी अधिवक्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में दी। कानपुर के चर्चित आगजनी कांड में सजा पाए सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी, भाई रिजवान समेत अन्य दोषियों की जमानत अर्जी पर बृहस्पतिवार को बहस हुई।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इरफान समेत अन्य दोषियों की अपील संग दाखिल जमानत अर्जियों पर न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह प्रथम की अदालत सुनवाई कर रही है। बुधवार को इरफान के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता जी एस चतुर्वेदी और उपेंद्र उपाध्याय ने अपनी बहस पूरी की थी। सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता के एम नटराजन, शासकीय अधिवक्ता आशुतोष कुमार संड ने दलील पेश की। कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट के मुताबिक झोपड़ी में आग पटाखे से नहीं बल्कि पेट्रोल और केरोसीन जैसे ज्वलनशील पदार्थ से लगाई गई थी। इरफान, रिजवान समेत सभी आरोपी मौके पर मौजूद थे। गौरतलब है कि 8 नवंबर 2022 को सपा विधायक इरफान सोलंकी, उसके भाई रिजवान, इजरायल आटेवाला, मो. शरीफ, शौकत अली, अनूप यादव, महबूब आलम, शमशुद्दीन उर्फ चच्चा, एजाजुद्दीन उर्फ सबलू, मो. एजाज, मुरसलीन भोलू, शकील चिकना के खिलाफ नजीर फातिमा ने अपनी झोपड़ी में आगजनी करने का मुकदमा जाजमऊ थाने में दर्ज कराया था। जून 2024 में कानपुर की विशेष अदालत ने इरफान सोलंकी उनके भाई रिजवान, इजरायल आटेवाला, मो. शरीफ व शौकत अली को दोषी करार देते हुए सात साल की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ सभी दोषियों ने अपील दाखिल की है। जबकि राज्य सरकार ने इन्हें उम्रकैद दिए जाने की मांग की है।

## डीएम अपनी उपस्थिति में भूमि का सीमांकन कराएं, तहसील का कोई कर्मचारी नहीं रहेगा मौजूद

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने प्रयागराज के जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह अपनी उपस्थिति में चक रोड के निर्धारण के लिए भूमि का सीमांकन कराएं। डीएम किसी अन्य अधीनस्थ प्राधिकारी से यह कार्य नहीं कराएंगे। साथ ही हंडिया तहसील का कोई भी कर्मचारी सीमांकन प्रक्रिया में शामिल नहीं होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की अदालत ने रामकृपाल की याचिका पर दिया। तहसील हंडिया, ग्राम बड़गांव परगना मह निवासी रामकृपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर भूमिधरी गाटा संख्या–101 पर बनाए गए चक रोड को हटाने के लिए गुहार लगाई थी। याची के वकील ने दलील दी कि भूमिधरी गाटा संख्या–101 पर ग्रामसभा ने चक रोड बनाकर अतिक्रमण किया है। इस पर ग्रामसभा ने 18 जुलाई, 2024 को रिपोर्ट प्रस्तुत कर कहा कि पूर्व ग्राम प्रधान ने चक रोड का निर्माण करते समय याची की भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है, जबकि गाटा संख्या–102 की भूमि चक रोड चिह्नित है। वहीं, नायब तहसीलदार, सैदाबाद, तहसील हंडिया ने शपथ पत्र दाखिल किया। जिसमें कहा कि याची की भूमि अराजी नंबर–101 पर कोई अतिक्रमण नहीं है। चक रोड गाटा संख्या–102 पर बनाया गया है। न्यायालय ने जवाब में विरोधाभास पाते हुए जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह अपनी उपस्थिति में छह सप्ताह के भीतर चक रोड के निर्धारण के लिए भूमि का सीमांकन कराएं। पता लगाएं कि चक रोड गाटा संख्या 101 पर है या 102 पर। मामले की अगली सुनवाई छह दिसंबर को होगी।

# पटेरिया से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आज

प्रयागराज । काल 11 बजे डी०एस०ए० ग्राउण्ड चौराहा से प्रयागराज जक्शन होते हुए लीडर रोड चौराहा से जॉनसेनगंज चौराहा से हीरेट रोड से रामबाग पुल के नीचे से क्रास्थवेट चौराहा से बैहराना चौराहे तक सड़क दोनों पटरियों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करागी गयी। डी०एस०ए०ग्राउण्ड से लेकर प्रयागराज जक्शन गेट न०–4 तक खुल्दाबाद थाने से सहयोग लिया गया। इसके उपरान्त जीनसेनगंज चौराहे तक शाहगंज थाने द्वारा सहयोग किया गया। इसके उपरान्त हीवेट रोड से रामबाग पुल के नीचे तक कोतवाली थाने द्वारा सहयोग किया गया। तत्पश्चात रामबाग से वैहराना चौराहे तक कीडगंज थाने की पुलिस द्वारा सहयोग किया गया। उक्त क्षेत्र से अतिक्रमण हटाते समय अतिक्रमण से पहले की फोटो तथा अतिक्रमण हटाने के बाद की फोटोग्राफी की गयी। उक्त के क्रम में प्रयागराज जवशंन गेट न०–2 के सामने स्थित होटल एवं रेस्टोरेन्ट द्वारा सडक पर कब्जा कर अतिक्रमण किया गया था। उक्त होटल मालिकों को जागृत कर अतिक्रमण हटाया गया तथा उनके द्वारा किये गये प्रतिबन्धित पॉलिथीन प्रयोग किया जा रहा था. जिसे जब्त किया गया एवं उन्हें अवगत कराया

गया कि महाकुम्भ मेला, 2025 को दृष्टिगत रखते हुए सड़क पर गन्दगी न फैलायें तथा प्रतिबन्धित पॉलिथीन प्रयोग न करें। लीडर रोड स्थित इलाहाबाद केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन प्रयागराज के पदाधिकारियों का सहयोग लेकर उक्त केमिस्ट की दुकानों के मालिकों को जागरूक करके, उनसे नाइट में मेसर्स नीलकण्ट एसडब्लूएम प्रा०लि० की वाहनें कूड़ा उठाने आती है, में दुकानों का कूड़ा उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। सर्वप्रथम मेसर्स हिमालियन मेडिकल एजेन्सी जो लीडर रोड पर स्थित है, उनके मालिक श्री शिवम अग्रवाल से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन की ऑनलाइन रू०–100–00 की रसीद कटवायी गयी। जिसके उपरान्त उनके द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त क्षेत्र की समस्त दुकानें अपना–अपना कूड़ा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में चलने वाली वाहनों को ही उपलब्ध करायेगें तथा यूजर चार्जेज भी जमा करायेगें। प्रयागराज जक्शन से जॉनसेनगंज चौराहे तक गन्दगी ६ अतिक्रमण ६ पॉलिथीन के सम्बना में रु0–17,000–0० शमन शुल्क वसूला गया, साथ ही लीडर रोड स्थित नगर निगम की दुकानों के मालिकों द्वारा नाले पर कराये गये सिविल कन्स्ट्रक्शन को तोड़ा गया। तत्पश्चात् जॉनसेनगंज चौराहे से सम्पूर्ण हीगेट रोड से अतिक्रमण हटाया गया तथा रामबाग चौराहे पर स्थित मधुरम होटल द्वारा सड़क पर लगाये गये जेनेरेटर के सम्बन्ध में रु0–8,000–०० शमन शुल्क वसूला गया तथा उक्त होटल के मालिक द्वारा फुटपाथ पर तीन जेनरेटर लगाये गये हैं एवं जेनरेटर की वायरिंग भी रोड कटिंग करायी गयी है। इस सम्बन्ध में होटल के मालिक को चार दिन का समय दिया गया कि महाकुम्भ मेला. 2025 को दृष्टिगत रखते हुए फुटपाथ से जेनरेटर हटा लें।

## भाजपा ने अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था बना दिया

नोटबंदी की 8वीं सालगिरह पर सरकार पर बरसे अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नोटबंदी की 8वीं सालगिरह पर भाजपा सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरे–का–पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा। आज नोटबंदी की 8वीं

सालगिरह के ठीक एक दिन पहले ही, कल रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे कमजोर स्थिति में आ गया। उन्होंने कहा कि जनता पूछ रही है क्या ये नोटबंदी की नाकामयाबी की वजह से हुआ या भाजपा की नकारात्मक नीतियों की वजह से। अब क्या भाजपाई फिर ये कहेंगे कि देश के इतिहास में रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुँच कर 'रिकार्डतोड़' नहीं गिरा है बल्कि डॉलर ऊपर उठा है। भाजपा ने अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था बना दिया है। रुपया कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! गौरतलब है कि केंद्र की मोदी सरकार ने 500 और 1000 रुपये के नोटों के 8 नवम्बर 2016 को रात आठ बजे (भारतीय समयानुसार) भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अचानक राष्ट्र को किए गए संबोधन के द्वारा की गयी। यह संबोधन टीवी के द्वारा किया गया। इस घोषणा में 8 नवंबर की रात से देश में 500 और 1000 रुपये के नोटों को खत्म करने का ऐलान किया गया। इसका उद्देश्य केवल काले धन पर नियंत्रण ही नहीं बल्कि जाली नोटों से छुटकारा पाना भी था। विमुद्रीकरण, जिसे मीडिया में छोटे रूप में नोटबंदी कहा गयाद।

## विधानसभा सचिव की सड़क दुर्घटना में मौत

ब्रजभूषण बेटे के साथ जा रहे थे लखनऊ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा के सचिव ब्रजभूषण दूबे की हादसे में मौत हो गई है। देर रात थाना पटरंगा के गनौली

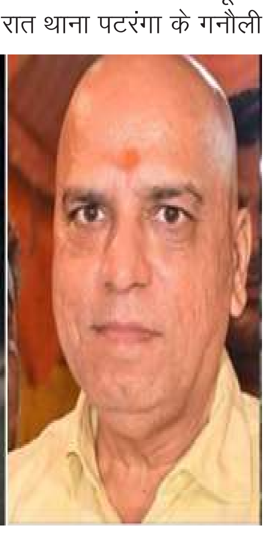

कट के पास हाईवे पर उनकी कार का एक्सीडेंट हुआ। ओवरटेक करने के चक्कर में विधानसभा सचिव की कार ट्रक से टकरा गई। टक्कर लगते ही कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बस्ती के रहने वाले 52 वर्षीय ब्रजभूषण दुबे की मौत हो गई और उनका बेटा घायल हुआ। दोनों पिता–पुत्र अयोध्या से लखनऊ जा रहे थे। ओवरटेक करने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर दूसरी लाइन में चली गई और डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे का शिकार हुए लोगों को परिजनों को भी सूचना दी। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ आशीष नागर ने बताया कि बृजभूषण दूबे बस्ती के थाना पैकोलिया क्षेत्र के गांव सुरेखा खास के निवासी थे। गुरुवार रात करीब 12.30 उनका हादसा हुआ। वे अपने बेटे कृष्णा उर्फ राजा दुबे के साथ अयोध्या से लखनऊ जाने के लिए निकले थे। कार कृष्णा ड्राइव कर रहा था, रोजा गांव चीनी मिल के पास हादसा हो गया। एक गाड़ी को ओवरटेक करने के चक्कर में कृष्णा की कार अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जाकर सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। हादसे की सूचना कृष्णा ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पटरंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ही घायल विशेष सचिव ब्रजभूषण दूबे और उनके बेटे कृष्णा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने बृजभूषण दूबे को मृत घोषित कर दिया। कृष्ण की हालत खतरे से बाहर है।

## 'राजमाता अहिल्याबाई होल्कर के त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य मे' 'पत्रिका और कैलेन्डर का हुआ विमोचन'

### 'राजमाता अहिल्याबाई 'हम सभी' स्वयंसेवकों की प्रेरणास्रोत है मश्व' भारती को परम वैभव के लिए उनके' दिखाए गये मार्ग का अनुसरण से ही राष्ट्र एवं सनातन धर्म का मार्ग प्रशस्त होगा – रमेश प्रान्त प्रचारक' काशीप्रान्त

प्रयागराज! ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर सिविल लाईन मे आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पुण्यश्लोक लोकमाता देवी आहिल्यावाई होल्कर की त्रिशताब्दी शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के साथ संघ के शताब्दी वर्ष पर होन वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की गई सपुर्वीक्षेत्र के सह क्षेत्र कार्यवाह अनिल जी ने राजमाता आहिल्यावाई होल्कर द्वारा हिन्दू धर्म राष्ट्र तथा समाज लिये कार्यो पर विस्तार से प्रकाश डाला सप्रान्त प्रचारक रमेश जी ने देवी आहिल्यावाई होल्कर द्वारा मुगलों द्वारा तोड़े गये मन्दिर हिन्दू धर्म और आस्था के प्रतीकों का पुनर्निर्माण कर पुनः हिन्दू ध र्म और सनातन संस्कृति को नव जीवन तथा राष्ट्र एवं राष्ट्रीय हित समाज के प्रति समर्पण के साथ कार्य करते हुए समाज को एक नई दिशा दिया और आज भी उनका शासन व्यवस्था महिलाओं का सशक्तिकरण सैन्य संचालन आदि आज भी प्रासंगिक है सत्रिशताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के संचालन हेतु काशी प्रान्त की पाच सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया साथ ही राजमाता आहिल्यावाई होल्कर के जीवन आधरित पत्रिका और कैलेन्डर का विमोचन सह क्षेत्र कार्यवाह अनिल जी प्रान्त प्रचारक रमेश जी प्रान्त सह संघचालक प्रोफेसर राणा कृष्ण पाल सिंह सह प्रान्त कार्यवाह रासबिहारी विभाग संघचालक प्रोफेसर के पी सिंह प्रान्त समरसता प्रमुख आलोक मालवीय जी द्वारा किया गयास इस अवसर पर प्रमुख रुप से प्रान्त प्रचार प्रमुख मुरार जी प्रान्त सेवा प्रमुख सत्य विजय विभाग कार्यवाह संजय विभाग प्रचारक आदित्य वशु पाठक सह प्रचार प्रमुख प्रयाग उत्तर राजेश प्रताप मुकेश वरुण शिव प्रताप आदि लोग रहे।

## जाति के हिसाब से विधायकों को हर सीट में उतारने की तैयारी में बीजेपी, सांसदों को भी दी गई बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को इसकी मतगणना होगी। चुनाव में सभी सीटों पर जीत हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। नौ विधानसभा सीट जीतने का लक्ष्य हासिल करने के लिए भाजपा के रणनीतिकारों ने जातीय समीकरण साध ाने पर खास फोकस करने का फैसला किया है। इस समीकरण के तहत पार्टी जहां जातीय लिहाज से हर सीटों पर 10–10 विध ायकों को प्रचार में उतारने जा रही है। पार्टी इन विधायकों को भाजपा प्रत्याशियों के लिए चुनावी माहौल तैयार करने की जिम्मेदारी देगी। बता दें कि यूपी की नौ सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान 20 नवंबर को होने हैं। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। जिन विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं उनमें कटेहरी (आंबेडकर नगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर शहर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) शामिल हैं।


कार्यालय ग्राम पंचायत ..ताड़ी.. विकासखंड ....मऊ....चित्रकूट

पत्रांक/ मेमो /15वाँ वित्त/ राज्यवित्त/टेंडर नोटिस /2024-2025 दिनांक- 08.11.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

15वाँ वित्त / राज्यवित्त / योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर/आयकर मे पंजीकृत फर्मो/सप्लायरो से दिनांक. 15.11.2024को अपरान्ह..01..बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदाये आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह..03..बजे तक ग्राम पंचायत मे तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ के साथ खोली जाएगी | निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 09.11.2024से15.11.2024को अपरान्ह 01 बजे तक ग्राम पंचायत मे विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते है |

| क्र० सं० | कार्य का नाम | सामग्री का विवरण | मात्रा | प्राकलन की धनराशि लाख रु० में | प्रतिशत धरोहर धनराशि रु० में | निविदा मूल्य रु० में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | ग्राम पंचायत ताड़ी के मजरा चकालिया में अनसुइया के घर से वीर के घर के आगे तक इंटरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य | प्राकलन के अनुसार | प्राकलन के अनुसार | 4.72 लाख | 2% | 500 |
| 02 | ग्राम पंचायत ताड़ी के मजरा चकालिया में हरीशचन्द्र के घर से सी०सी० रोड तक इंटरलाकिंग निर्माण कार्य | प्राकलन के अनुसार | प्राकलन के अनुसार | 4.68 लाख | 2% | 500 |

निविदा शर्ते-

नोट- निविदा से समबन्धित शर्ते ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

ग्राम विकास अधिकारी — ग्राम पंचायत

सचिव ताड़ी — प्रधान ताड़ी


## संक्षिप्त

### ग्राम प्रधान ने रहीमाबाद थाने में तैनात सिपाही पर लगाया अभद्रता का आरोप

लखनऊ, एजेंसी। रहीमाबाद थाना अंतर्गत जिन्दौर गांव में शुक्रवार सुबह तालाब जमीन पर अवैध निर्माण की शिकायत करने थाने पहुंचे ग्राम प्रधान की सिपाही से नोकझोंक हो गई। इसके बाद ग्राम प्रधान ने सिपाही पर गंभीर आरोप लगाए है। ग्राम प्रधान का कहना है कि सिपाही ने उनके साथ अभद्रता कर दो मिनट में प्रधानी निकाल फर्जी मुकदमें में जेल भेजने की धमकी दी है। इस पर ग्राम प्रधान ने एसीपी मलिहाबाद और आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत की है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। गढ़ी जिन्दौर गांव निवासी ग्राम प्रधान सतीश कुमार गोस्वामी ने रहीमाबाद थाने में तैनात सिपाही शिवम पर अभद्रता किए जाने का आरोप लगाया है। ग्राम प्रधान का कहना है सुबह उन्हें जानकारी मिली कि रहीमाबाद बाजार के पास एक तालाब की जमीन पर अवैध निर्माण किया जा रहा था, इसके बाद वह मौके पर पहुंचे और निर्माणकार्य को रुकवाने के लिए सम्बन्धित थाने में तहरीर दी। उनका आरोप है कि शिकायत मिलने के बाद सिपाही ने उन्हें जांच के लिए थाने बुलाया। इस दौरान थाने में उनकी नोंकझोंक शुरु हो गई। आरोप है कि बात बढ़ने पर सिपाही ने उनसे कहा कि, उन्हें दो मिनट में तुम्हारी प्रधानी निकाल फर्जी मुकदमें में जेल भेज दूंगा। विरोध करने पर सिपाही गाली–गलौज करने लगा। सिपाही के व्यवहार से आहत ग्राम प्रधान ने एसीपी मलिहाबाद से सिपाही के खिलाफ लिखित शिकायत की है। इसके साथ ही ग्राम प्रधान ने आईजीआरएस पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है। इस सम्बन्ध में सिपाही शिवम ने बताया कि शिकायत मिलने पर वह मौके पर पहुंचा। जांच में पाया कि तालाब की जमीन पर पहले से ही दो मंजिल की बिल्डिंग बनी थी, जिस पर तीसरी मंजिल का निर्माण कार्य चल रहा था। इस पर उसने ग्राम प्रधान से पूछ लिया कि जब नजूल की जमीन पर नींव की खुदाई की जा रही थी, उस वक्त शिकायत क्यों नहीं की गई। इस पर ग्राम प्रधान नाराज हो गए और उस पर अभद्रता का आरोप लगाने लगे। एसीपी मलिहाबाद अमोल मुकुट ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। ग्राम प्रधान की लिखित शिकायत पर गहनता से जांच की जा रही है। जांच में मिले तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर दोषी पाए गए सिपाही के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

### जीआईएस कैंप में अधिकारी से बवाल, हिडेन वीडियो बनाने पर लगाई फटकार, 38 मामले निपटाए

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ नगर निगम की तरफ से लगाए गए जीआईएस कैंप में शुक्रवार को काफी कम लोग पहुंचे। सभी 8 जोन को मिलाकर करीब 38 लोग ही टैक्स सही कराने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान जोनल अधिकारी को छोड़ दिया जाए तो कोई भी बड़ा अधिकारी मौजूद नहीं रहा। मेयर, नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त और मुख्य कर अधिकारी कैंप में नहीं आए। मेयर शहर से बाहर हैं, जबकि बाकी अधिकारियों ने दूसरे बैठक और कार्यक्रम का हवाला दिया। इस दौरान जोन–3 के जोनल अधिकारी अलंकार रस्तोगी से एक व्यक्ति का विवाद भी हो गया। आरोप है कि व्यक्ति हिडेन कैमरे से बातचीत का वीडियो बना रहा था। इसके बाद जोनल अधिकारी नाराज हो गए। उन्होंने संबंधित व्यक्ति को फटकार लगानी शुरू कर दी। अतिक्रमण और फागिंग की समस्याओं को लेकर लोग पहुंचे थे लेकिन वहां इस समस्या के निदान के लिए कोई अधिकारी मौजूद नहीं था। बंगाली समाज के अमित घोष ने बताया कि वह काफी समय से फागिंग और बंगाली क्लब के पास अवैध अतिक्रमण की शिकायत करते आए हैं, उसके बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं निकल रहा है।

### उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन की बैठक,एनआरएमयू छोड़कर 400 सदस्य हुए यूबीकेयू में शामिल

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन (यूबीकेयू) ने चुनाव की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को लखनऊ में बैठक की। इस दौरान करीब 400 कर्मचारी नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन (एनआरएमयू) सहित अन्य संगठनों से यूबीकेयू में शामिल हुए। ट्रेड यूनियन का चुनाव 4, 5 और 6 दिसंबर को होगा। एनआरएमयू नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा पिछले 30 साल से संगठन में काम कर रहे थे। मुद्दों को लेकर कई मतभेद नेताओं से थे। यूपीएस के मामले में नेता मुद्दों से हट गए। युवाओं पर निर्णय थोपे गए। इसी के चलते हम अपने साथियों के साथ यूबीकेयू की सदस्यता ले रहे हैं। उनका कहना है कि मुद्दों को लेकर हमारी नाराजगी हैं। मैं, उन चीजों को लेकर बाहर आया हूं। मेरे साथी इसमें मेरा साथ देंगे। भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम ने कहा रेलवे के 17 जोन और मेट्रो में रेलवे कर्मचारियों में सबसे बड़ी समस्या ट्रैक मैन की है। हमारे संगठन के लोग उनकी समस्या को जानने के लिए ग्राउंड जीरो पर पहुंच रहे हैं।

## छठ पूजा

सरल नहीं है व्रत उपवास
डाला मैया की कठिन तपस्या ।
बहुत समय तक जल में रहकर
करनी पड़ती है सूर्य उपासना ।

नहाय –खाय छठ पूजा करना
सज –धज कुमकुम तिलक लगाना ।
ठेकुआ, मीठा, फल फूल चढ़ाना
मां गंगा , जमुना में दूध चढ़ाना ।

मां के सम्मुख दीप जलाकर
अपने आंचल को फैला कर ।
सबके आरोग्य की करो कामना
शीश झुका आशीष है पाना ।

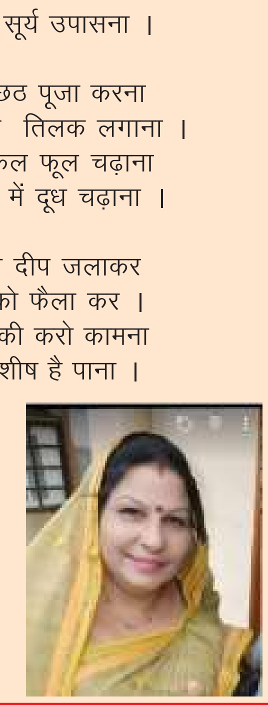

ललिता नारायणी
प्रयागराज

## सम्पादकीय.......

# एक बार फिर ट्रंप

अपनी दूसरी पारी के लिये डोनाल्ड ट्रंप फिर अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। हालांकि, अमेरिका फर्स्ट को प्राथमिकता देने वाले ट्रंप की नीतियां व्यापार व आव्रजन के मुद्दे पर भारत के लिये परेशानियां खड़ी कर सकती हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच राष्ट्रपति के रूप में उनकी पहली पारी के दौरान कई मोर्चों पर निबटने का अनुभव जरूर मोदी सरकार के पास है। गाहे–बगाहे मोदी ट्रंप को अपने दोस्त के रूप में संबोधित करते रहे हैं। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि हाल के दिनों में भारत के खिलाफ तल्ख रवैया अपनाने वाले बाइडन प्रशासन की नीतियों में ट्रंप आमूल–चूल परिवर्तन कर देंगे। सारी दुनिया जानती है कि अमेरिकी नीतियां अमेरिका पर शुरू होकर अमेरिका पर भी खत्म हो जाती हैं। अपने चुनाव अभियान में भी ट्रंप भारत की आर्थिक संरक्षण की नीतियों की आलोचना कर चुके हैं। अमेरिका फर्स्ट की नीतियों के पैरोकार ट्रंप विगत में अमेरिका से आयात होने वाली हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर टैरिफ घटाने को लेकर भारत के प्रति नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। मूल रूप से व्यवसायी से राजनेता बने ट्रंप ने पहले कार्यकाल के दौरान भी अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देने को अपनी प्राथमिकता बनाया था। ऐसे में संभव है कि वे अमेरिकी उत्पादों व सेवाओं के संरक्षण को लेकर भारत के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाएं। वे अपने कई उत्पादों पर अपनी सुविधा के अनुरूप टैरिफ बढ़ाने के लिये भारत पर दबाव बना सकते हैं। साथ ही आशंका है कि वे भारतीय निर्यात पर टैरिफ बढ़ाकर हमारे लिये आर्थिक मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। जिससे भारत द्वारा अमेरिका से किया जाने वाला आयात भी महंगा हो सकता है। फलतरू भारतीय उपभोक्ताओं की मुश्किलें महंगाई वृद्धि से बढ़ सकती हैं। बहरहाल, ट्रंप की सफलता से अमेरिकी कारोबार जगत खासा उत्साहित है, जिसके चलते अमेरिकी शेयर बाजार खुशी से झूमा है। लेकिन इसके बावजूद हिंद प्रशांत में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका दोनों देशों के रक्षा संबंधों को मजबूती देगी। बहरहाल, यह एक हकीकत है कि ट्रंप एक बार फिर सत्ता में लौटे हैं और भारत तथा दुनिया को इस अप्रत्याशित चरित्र से निपटने के लिये तैयार रहना होगा। यह व्यक्ति एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताता है, वहीं भारत को अमेरिका के व्यापारिक हितों के विरुद्ध नीतियां बनाने वाला बताता है। यहां तक कि अपने चुनाव अभियान के दौरान भी ट्रंप अमेरिकी वस्तुओं पर भारी कर लगाने के लिये भारत की आलोचना कर चुके हैं। साथ ही अमेरिका को फिर से असाधारण रूप से संपन्न बनाने के लिये द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में 'जैसे को तैसा' की नीति अपनाने का आह्वान किया था। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि रिपब्लिकन प्रशासन अमेरिका को भारत से होने वाले 75 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात पर अधिक टैरिफ लगा सकता है। बहुत संभव है कि मोदी के मेक इन इंडिया अभियान तथा ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट नजरिये के साथ टकराव पैदा हो। अपने पहले कार्यकाल में एच–1बी वीजा में कटौती के प्रयास करने वाले ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में रोजगार आधारित आव्रजन पर प्रतिकूल असर हो सकता है। कूटनीतिक मोर्चे पर नई दिल्ली को उम्मीद होगी कि ट्रंप के साथ मोदी के बेहतर तालमेल के चलते गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले में मतभेद सुलझाने में मदद मिले। वैसे भी ट्रंप अमेरिकी न्याय विभाग और एफबीआई पर अविश्वास जताते हुए उन पर पक्षपाती होने के आरोप लगाते रहे हैं। उनका यह दृष्टिकोण इस जटिल मामले में भारत को राहत दे सकता है। वैसे ट्रंप से कुछ भी अप्रत्याशित करने की उम्मीद बनाये रखनी चाहिए। उम्मीद की जा रही है कि सामरिक मुद्दों , हथियारों के निर्यात, संयुक्त सैन्य अभ्यास व तकनीकी हस्तांतरण के मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन के साथ भारत का बेहतर तालमेल संभव है। पिछली पारी में राष्ट्रपति रहते हुए ट्रंप सरकार ने भारत के साथ बड़े रक्षा समझौते भी किए थे। जो फिर होने पर पाक व चीन के मुकाबले भारत को मजबूती दे सकते हैं। फिर भी कयास लगाए जा रहे हैं कि ट्रंप की सत्ता में वापसी भारत के लिये लाभदायक साबित हो सकती है।

# रोटी, बेटी, माटी और आखिरी कतार का आदमी

**सर्वमित्रा सुरजन**

*राहुल गांधी डरो मत का नारा देते आए हैं। बुधवार को अंग्रेजी और हिन्दी में उनका आलेख प्रकाशित हुआ है, इसमें भी राहुल गांधी ने डर से मुक्ति पाने और व्यापार के एकाधिकार को तोड़ने की बात कही है।*

मंगलसूत्र की चोरी और भैंस खोल कर ले जाने जैसी लचर, बेतुकी और अशिष्ट टिप्पणी के बाद चुनाव के बाजार में ताजातरीन निकृष्ट टिप्पणी है– श्घुसपैठिए आपकी बेटियों को छीन रहे हैं, जमीन हड़प रहे हैं और आपकी रोटी खा रहे हैं। पाठक जानते हैं ये भाषा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की है। अपनी भाषायी गिरावट में वे खुद ही हर बार नया रिकार्ड बनाते चले जा रहे हैं। बेटियों को छीनने की बात उन्होंने इस तरह कही है, मानो लड़कियां कोई सामान हों। जिस मंच से वे सीता सोरेन और शाइना एनसी पर इंडिया गठबंधन के नेताओं की टिप्पणियों की निंदा कर रहे हों, उसी मंच से वे बेटियों के मामले में मध्ययुगीन भाषा का इस्तेमाल करते हुए हिचक नहीं रहे। जमीनों का अतिक्रमण या चोरी हो सकती है, रोटी यानी रोजगार का हक भी मारा जा सकता है, लेकिन बेटी छीनना सीधे–सीधे एक गंभीर आरोप की तरफ इशारा करता है, जिसे मानव तस्करी कहा जाता है। क्या प्रधानमंत्री मोदी झारखंड में इस गंभीर अपराध की बात कर रहे थे, अगर नहीं, तो फिर उन्हें खुलासा करना चाहिए कि आखिर बेटी छीनने से उनका तात्पर्य क्या था। क्या रोटी और माटी के साथ यह महज तुकबंदी थी और ऐसा नहीं है तो फिर एक जिम्मेदार शासक की तरह बताना चाहिए कि झारखंड के मामले में ये गंभीर इल्जाम उन्होंने क्यों लगाए और इसका क्या सबूत उनके पास है कि बेटियों को छीना जा रहा है। श्री मोदी से पहले गृहमंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उठा चुके हैं। तीनों ही जिम्मेदार पदों पर बैठे हैं, तो जाहिर है उनके पास सारी खुफियां सूचनाएं और आंकड़े भी होंगे, जो ये बता रहे होंगे कि झारखंड की सामाजिक, जातीय, धार्मिक और आर्थिक संरचना को नुकसान पहुंचाने का काम किस तरह हो रहा है और इसमें बांग्लादेशी घुसपैठियों के आंकड़े कितने हैं। अब तक आधिकारिक तौर पर तो भाजपा ने कोई आंकड़े पेश नहीं किए हैं, लेकिन पूरे चुनाव में इसी को एक अहम मुद्दा बना कर भाजपा झामुमो–कांग्रेस सरकार को घेर रही है। जाहिर है कि लोकसभा चुनावों की तरह एक बार फिर श्री मोदी असल मुद्दों को छोड़कर भावनाओं में उलझाने की सियासी चाल चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी दावा करते हैं कि उन्होंने तपस्या की है, भिक्षाटन से पेट भरा, फकीर है, झोला उठा कर चले जाएंगे। हालांकि दावा तो यह भी है कि वे खुद में दैवीय अंश महसूस करते हैं। हिंदुस्तान में भिक्षुओं और फकीरों की जो परंपरा रही है, उसमें वैराग का भाव समाहित रहा है। गलियों में घूमते हुए, इस दुनिया के सृजनहार की शान में गीत गाते हुए ये फकीर–महात्मा पेट भरने के लिए भिक्षा लेते और बदले में ज्ञान के ढेर सारे मोती बिखेर देते। श्री मोदी की फकीरी इस परंपरा की तो कतई नहीं लगती। हां, बहुत से बच्चों को उनकी मांएं इस बात से जरूर डराती रही हैं कि साधु बाबा आएगा और अपने झोले में भरकर ले जाएगा, क्या श्री मोदी भी इसी किस्म का डर दिखा रहे हैं या उनका अब तक ओझल झोला, इस डर को फैलाने के लिए ही है। नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं, तो कायदे से उनका काम लोगों के मन से डर निकालना होना चाहिए। मगर इस समय उल्टी गंगा बह रही है। प्रधानमंत्री काल्पनिक, मनगढ़ंत चोरियों का डर जनता को दिखा रहे हैं और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लोगों के मन से डर को निकालने की मुहिम छेड़े हुए हैं। राहुल गांधी डरो मत का नारा देते आए हैं। बुधवार को अंग्रेजी और हिन्दी में उनका आलेख प्रकाशित हुआ है, इसमें भी राहुल गांधी ने डर से मुक्ति पाने और व्यापार के एकाधिकार को तोड़ने की बात कही है। अपने आलेख की शुरुआत राहुल गांधी ने ईस्ट इंडिया कंपनी के उदाहरण से की कि कंपनी ने भारत की आवाज को कुचला, हमारे राजा–महाराजाओं और नवाबों की साझेदारी से, उन्हें रिश्वत देकर और धमका कर भारत पर शासन किया था। उसने हमारी बैंकिंग, नौकरशाही और सूचना नेटवर्क को नियंत्रित कर लिया था। हमने अपनी आजादी किसी दूसरे देश के हाथों नहीं गंवाई, हमने इसे एक एकाधिकारवादी निगम के हाथों खो दिया, जो हमारे देश में दमन तंत्र को चलाता था। देश में एक नयी गुलामी किस तरह कायम की जा रही है, ये समझाने के लिए राहुल गांधी ने लिखा कि ईस्ट इंडिया कंपनी भले ही 150 साल पहले खत्म हो गई हो, लेकिन उसने जो डर पैदा किया था, वह आज फिर से दिखाई देने लगा है। एकाधिकारवादियों की एक नई पीढ़ी ने इसकी जगह ले ली है। परिणामस्वरूप जहां भारत में हर किसी के लिए असमानता और अन्याय बढ़ता जा रहा है, वहीं यह वर्ग अकूत धन एकत्रित करने में लगा है। हमारी संस्थाएं अब हमारे लोगों की नहीं रहीं। वे एकाधिकारवादियों के आदेश मानती हैं। नोटबंदी से लेकर जीएसटी और कोरोना लॉकडाउन के दौरान भी अरबों का मुनाफा कमाने वाले लोगों के पीछे कौन सी शक्तियां, कौन सी सोच और कौन सी राजकीय सहायता काम कर रही थी, इसे लेकर पहले भी कई बार राहुल गांधी अलग–अलग तरह से खुलासा कर चुके हैं, इस लेख के माध्यम से फिर उन्होंने एक नए उदाहरण के साथ प्रधानमंत्री मोदी और उनके उद्योगपति मित्रों के बारे में लोगों को बताया है। लेकिन राहुल गांधी केवल आरोप लगा कर खामोश नहीं हो गए, उन्होंने टाइनोर, इनमोबी, मान्यवर, जोमैटो, जैसी युवा पीढ़ी के व्यवसायों और एल एंड टी, हल्दीराम, अरविंद आई हास्पिटल, इंडिगो जैसी पुरानी पीढ़ी के व्यवसायों का नाम लिखकर यह भी बताया कि इन लोगों ने अपने व्यापार में नवाचार किया, एकाधिकार को चुनौती दी, अनुसंधान किए और रोजगार के नए अवसर बनाए। जिस तरह इन लोगों ने चुनौतियों का सामना किया, वही जज्बा व्यापार में संलग्न सभी लोगों में होना चाहिए, तभी एकाधिकार खत्म किया जा सकेगा, यह श्री गांधी का मानना है। उन्होंने लिखा कि मेरा इन व्यवसायियों से व्यक्तिगत परिचय नहीं है, न ही इनकी राजनैतिक प्राथमिकताएं मैं जानता हूं लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है। उनका मुख्य मकसद निष्पक्षता और समान अवसर के लिए आवाज उठाना है, कमजोर और बेजुबान लोगों के हितों की रक्षा करना है। राहुल गांधी का यह लेख एक तरह से उनकी भारत जोड़ो यात्रा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा में व्यक्त किए गए विचारों का सार ही है, जिसे उन्होंने नए उदाहरणों, नए नामों के साथ जनता के बीच प्रस्तुत किया है। हरियाणा चुनाव में मिली हार और जम्मू–कश्मीर में आशा के अनुरूप सीटें हासिल न करने पर राहुल गांधी चाहते तो महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों को ध्यान में रखकर तात्कालिक लाभ हासिल करने वाली बातें करते।

# ट्रम्प फिर बने अमेरिकी प्रेसिडेंट

## राष्ट्रपति अभिभाषण पर बहस और उसके बाद : निर्वाचित तानाशाही की ओर एक और कदमराष्ट्रपति का निराशाजनक अभिभाषण

अमेरिका में राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत कर दुनिया का सबसे ताकतवर पद फिर से पाने में डोनाल्ड ट्रम्प को सफलता मिल गयी है। साथ ही अमेरिका पहली महिला राष्ट्रपति पाने से वंचित रह गया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार चार साल के अंतराल में किसी को दो बार यह पद प्राप्त करने का मौका मिला है। इसके पहले 1884 और 1892 में ग्रोवर क्लीवलैंड ने यह उपलब्धि हासिल की थी। अपने पहले कार्यकाल में अनेक मामलों में अलोकप्रिय हो चुके ट्रम्प की इस बार की जीत इस मायने में बड़ी है कि अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में से सीनेट में उनकी रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत मिल गया है तथा हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में कांटे का संघर्ष इन पंक्तियों के लिखे जाने तक जारी था। बहुमत नहीं भी मिलता तो भी उसकी सदस्य संख्या तगड़ी है। इससे उन्हें फैसले लेने तथा काम करने में आसानी होगी। अपने पहले उद्बोधन में ट्रम्प ने अमेरिका को फिर से महान बनाने का अपना इरादा जतलाया और यह भी कहा कि श्भगवान ने उनकी जान इसी दिन के लिये बचाई थी। गौरतलब है कि 13 जुलाई को चुनाव प्रचार करने के दौरान उन पर एक युवक ने गोली चलाई थी जो उनके कान को जख्मी करती हुई गुजर गयी थी। उनकी प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस (उप राष्ट्रपति) उन श्स्विंग स्टेट्सठ्ठा कहे जाने वाले राज्यों में पिछड़ गयीं जो हार–जीत को तय करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव समझने वाले जानते हैं कि वहां के ज्यादातर राज्य परम्परागत रूप से अपनी पसंदीदा पार्टी के ही उम्मीदवार को चुनते हैं– चेहरा चाहे कोई भी हो। कुल 538 में 270 सीटें पाना बहुमत के लिये जरूरी हैं। इसे इलेक्टोरल कॉलेज वोट्स कहा जाता है। 7 स्विंग स्टेट में अक्सर मार्जिन बड़ा कम होता है जहां 93 सीटें हैं। इनका पलड़ा जिस उम्मीदवार की तरफ झुकता है, उसे व्हाइट हाउस में रहने का अधिकार मिल जाता है। इनमें से सभी, खासकर अलास्का, नेवादा तथा एरिजोना में ट्रम्प की जीत बहुत आश्चर्यजनक है जो अक्सर डेमोक्रेट्स को जिता देते हैं। 2021 का चुनाव ट्रम्प इन्हीं राज्यों की बदौलत हारे थे क्योंकि इन सात में से उन्हें केवल एक में ही विजय नसीब हुई थी। इन राज्यों में जीत पर स्वयं ट्रम्प चकित हैं। वैसे तो इस नतीजे का जैसे–जैसे विश्लेषण होगा, जय–पराजय के कारणों का और भी खुलासा होगा। प्रथम दृष्टया जो कारण नजर आते हैं, उनमें से प्रमुख है जो बाइडेन का कमजोर प्रशासन। उनकी इस कमजोरी का खामियाजा हैरिस को भुगतना पड़ा। वोटर इस बात से आकर्षित नहीं हुए कि यदि वे कमला हैरिस को जिताते हैं तो देश को पहली महिला राष्ट्रपति हासिल होगी। वे पहली उप राष्ट्रपति तो हैं ही। पहले कार्यकाल के दौरान बात–बात में झूठ बोलने के लिये ट्रम्प की आलोचना करने वाले अमेरिका ने उन्हें ही गद्दी प्रदान की। दुनिया के सर्वाधिक अमीर राजनेताओं में से एक ट्रम्प हैं जिनकी कुल सम्पत्ति 6. 6 बिलियन डॉलर मानी जाती है। अनेक महलनुमा मकानों व कम्पनियों के मालिक ट्रम्प अमेरिकियों को एक बात महसूस कराने में सफल हो गये, वह यह कि उनके रहते दुनिया भर में कोई बड़ी लड़ाई नहीं हुई। पिछले कुछ वर्षों से रूस व यूक्रेन और अब इजरायल–फिलीस्तीन युद्धों के लिये बाइडेन को चाहे सीधे जिम्मेदार न ठहराया जा रहा हो, पर यह माना जा रहा है कि वैश्विक नेता के रूप में अमेरिका सुलह कराने में नाकाम रहा। दोनों लड़ाइयों में हो रहा जनसंहार अमेरिकियों को विचलित कर रहा है। ट्रम्प को कारोबार जगत से भी बड़ा समर्थन मिला। दुनिया के सबसे बड़े और हमेशा कुछ नया करने के लिये विख्यात कारोबारी इलॉन मस्क खुलकर ट्रम्प के समर्थन में काम कर रहे थे। इस बात का उन्होंने खास जिक्र जीत के बाद समर्थकों के बीच दिये अपने भाषण में यह कहकर किया कि इलॉन स्टार हैं। प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने रॉकेट की तरह उड़ान भरी।ठ्ठा अपने अनेक कामों के अलावा अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स को सुरक्षित धरती पर लाने के लिये मस्क के प्रयासों की वहां तारीफ हुई है जबकि माना यह गया कि बाइडेन ने इसमें रुचि न दिखाते हुए सारी जिम्मेदारी नासा के वैज्ञानिकों पर छोड़ रखी थी। मस्क की लोकप्रियता का भी लाभ ट्रम्प को मिलता हुआ दिख रहा है। ट्रम्प की जीत को पूंजीवाद में अमेरिका के भरोसे के रूप में भी देखा जा रहा है। इसके कारण अमेरिका के साथ आस्ट्रेलिया एवं कनाडा के शेयर बाजारों में उछाल आया है। भारत का बाजार भी चढ़ा है। ट्रम्प की जीत को यदि भारत के लिहाज से देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी उन्हें अपना न केवल मित्र बताते रहे हैं वरन पिछले चुनाव में वे बाकायदे उनका यह कहकर प्रचार भी कर आये थे– श्अबकी बार ट्रम्प सरकार।ठ्ठा इसके चलते मोदी की खासी किरकिरी हुई थी। इसलिये इस बार उन्होंने ऐसी कोई गलती नहीं की। देखना होगा कि ट्रम्प के आने से भारत को क्या फायदा होता है। विदेशी निवेश और पूंजी प्रवाह बढ़ने की आशा तो है पर ट्रम्प निर्यात हेतु भारत पर अमेरिकी वस्तुओं के लिये अधिक रियायत मांग सकते हैं। साथ ही भारतीयों को वीजा में परेशानी हो सकती है क्योंकि पिछली बार ट्रम्प ने एच–1बी वीजा पर प्रतिबन्ध लगा दिया था। भारत की व्यापार नीतियों के वे आलोचक भी रहे हैं। अप्रवासियों के प्रति ट्रम्प का रवैया कठोर रहा है। अमेरिका एवं कनाडा की विदेश नीति लगभग एक ही तरह से चलती है। फिलहाल भारत–कनाडा रिश्ते कटु चल रहे हैं। वहां हुई कुछ हिंसक घटनाओं के लिये कनाडा ने भारत सरकार को जिम्मेदार माना है। गृह मंत्री अमित शाह का नाम तक उसमें घसीटा गया है। ट्रम्प के आने से भारत के प्रति अमेरिकी रवैया देखना होगा। वैसे ट्रम्प ने अपनी जीत के लिये अरब एवं मुसलमानों का विशेष धन्यवाद दिया है। वहां रहने वाले भारतीयों का उल्लेख नहीं हुआ है।

# झारखंड और महाराष्ट्र चुनाव के यक्ष–प्रश्न

**अरविन्द मोहन**

लोकतंत्र में चुनाव बहुत बड़ी चीज है। और अगर मामला चुनाव में नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी के मुख्य भूमिका में होने का हो तब चुनाव और भी बड़ी चीज बन जाती हैं। इसे देखना समझना हो तो मौजूदा दो विधान सभाओं, महाराष्ट्र और झारखंड ही नहीं देश भर में हो रहे दो दर्जन के करीब के उपचुनावों को भी देखना चाहिए। कायदे से उप चुनावों का ज्यादा मतलब नहीं होता और कहीं सहानुभूति तो कहीं उम्मीदवार के दम के आधार पर निर्णय हो जाता है। लेकिन इस बार जो उप चुनाव उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में हों रहे हैं उनमें भी भाजपा (और विपक्ष ने भी) ने भी सारा जोर लगाया है। बिहार में तो काफी समय से जमीनी स्तर पर जुटे प्रशांत किशोर के जन स्वराज द्वारा उम्मीदवार उतारने से मुकाबले दिलचस्प बने हैं तो उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भाजपा सचमुच युद्ध स्तर पर लगी हुई है। जाने कब से एक एक सीट पर कई–कई मंत्रियों को लगाया गया है और माना जा रहा है कि कुछ स्थानीय फीड–बैक के बाद ही भाजपा से जुड़े लोगों ने चुनाव को एक हफ्ता टालने ला प्रयास शुरू किया जिसे चुनाव आयोग ने मान लिया। वैसे आयोग ने हरियाणा और जम्मू–कश्मीर विधान सभाओं के चुनाव के साथ ये उप चुनाव क्यों नहीं कराए यह भी एक बड़ा प्रश्न बना हुआ है। और महाराष्ट्र तथा झारखंड के चुनाव भी साथ क्यों नहीं कराए गए यह सवाल तो एक राष्ट्र, एक चुनाव के अभियान पर सवाल खड़े कर ही रहा है। झारखंड में कम लेकिन महाराष्ट्र में टिकट बांटने और बागियों को संभालने में भाजपा और शिवसेना को जितना पसीना बहाना पड़ा उससे कुछ अंदाजा तो लगता ही है कि भाजपा नेतृत्व इस अनुशासनहीनता या अराजकता को अन्य राज्यों में पसरने देना नहीं चाहता था। ऐसी अफरातफरी हरियाणा में दिखी, एक हद तक जम्मू–कश्मीर में भी हल्ला हुआ, लेकिन एक साथ महाराष्ट्र जैसा हंगामा सब जगह होता तो अनुशासित और काडर आधारित पार्टी होने का भाजपा का दावा और मोदी–शाह का इकबाल कहां ठहरता। और भले ही भाजा तथा मोदी–शाह का मिशन कश्मीर धरातल पर आ गया लेकिन हरियाणा की अप्रत्याशित जीत ने कुछ हद तक मोदी–शाह का इकबाल फिर से बुलंद किया है, लोक सभा चुनाव के नतीजों से चिहुँका मीडिया फिर से राग मोदी अलापने लगा है। इसलिए महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव को कुछ समय लेकर कराने का फैसला भाजपा को लाभ देता दिखता है। झारखंड में शिवराज चौहान और हिमांत बिसवा सरमा की जोड़ी ने काफी ग्राउंडवर्क किया है। उधर महाराष्ट्र की महायुती सरकार ने भी वोट बटोरने के उद्देश्य से की लोक लुभावन कार्यक्रम शुरू किए हैं जिनका लाभ उसे मिलेगा। ऐसे में चुनाव कुछ ज्यादा दिलचस्प हों गए है। लोक सभा चुनाव ने न सिर्फ मोदी–शाह की चमक हल्की की थी बल्कि महाराष्ट्र और झारखंड में इंडिया गठबंधन को साफ लीड दी थी। अब सरमा–चौहान की जोड़ी ने झारखंड में लीड कम की है, यह आम राजनैतिक पंडित मानते हैं। इसमें हेमंत सोरेल के जेल जाने पर झारखंड का मुख्यमंत्री रहे चंपई सोरेन को भाजपा में शामिल कराना, बाबूलाल मरांडी की पार्टी के विलय के साथ उनका चेहरा आगे करना, सुदेश महतो के नेतृत्व वाले आजसू को वापस साथ लाना, मधु कोडा और अर्जुन मुंडा को भी संभाले रखने जैसे काफी काम हुए हैं जिनसे हवा बदलने का एहसास होता है। पर हेमंत और झारखंड के साथ भाजपा नेतृत्व जो व्यवहार करता रहा है उससे आदिवासियों में जो गुस्सा रहा है वह कितना काम होगा यह कहना अभी भी मुश्किल है। फिर राज्य में मुसलमान और ईसाई आबादी का अनुपात ठीकठाक होना भी भाजपा के लिए चिंता की लकीर खींचता है। पर कुड़मी और ओबीसी समाज में बेहतर पकड़ के बाल पर भाजपा मजबूती से मैदान में डटी है। अगर वह आदिवासी वोटों में बंटवारा करने में सफल होगी तब उसकी जीत आसान होगी। लेकिन हिमांत सरमा की अगुआई उसने घुसपैठ राग अलापना शुरू किया है जो फायदा करेगा या नुकसान यह अभी बताना मुश्किल है। अभी तक तो उससे ज्यादा लाभ होता नजर नहीं आता। उधर इंडिया गठबंधन को भी आपसी सहयोग का माहौल बनाने में जितनी सफलता मिलेगी, उसके सत्ता बचाना उतना आसान बन जाएगा। झारखंड में अगर एनडीए या भाजपा ने लोक सभा चुनाव के बाद कुछ खोई जमीन वापस पायी है तो महाराष्ट्र के लिए ऐसा कहना संभव नहीं है। पूरे पाँच साल इस राज्य में सिद्धांतहीन खुली राजनीति का जो दौर चला है उसका बहुत साफ परिणाम चुनाव पर दिखता है। छह टुकड़ों वाली राजनीति की सबसे कमजोर कड़ी अजीत पँवार वाली एनसीपी को साथ रखने से शासक महायुती सरकार की सारी वॉटबटोरू नीतियां बेअसर होती लगती हैं। दोनों बड़े गठबंधनों में आखिरी समय तक टांग–खिंचाई जारी थी और बागी उम्मीदवारों तथा कथित दोस्ताना संघर्षों ने सारे बड़े नेताओं के पसीने छुड़ा दिए है। जितने दांव–पेंच विपक्ष के खिलाफ चलाने थे उससे ज्यादा गठबंधन के अंदर अपनी–अपनी सीटें बढ़ाने में चले गए। कांग्रेस ने लोक सभा में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के नतीजों ने उसका सिर नीचे किया जिसका लाभ उसके सहयोगी दलों ने भरपूर उठाया। हां, मनोज जरांगे पाटील द्वारा मराठा आरक्षण के सवाल को खुद ही हवा–हवाई बना देने से शासक जमात को कुछ राहत मिली। महाराष्ट्र में पैसों का काफी जोर रहा है, इस बार जातिगत जोड़–तोड़ ज्यादा हावी होगा। महाराष्ट्र में भाजपा अपने एक स्टार योगी आदित्यनाथ का एक नारा लेकर आई है–बंटेंगे तो काटेंगे। लेकिन भाजपा या उसकी अगुआई वाली महायुती हिन्दू–मुसलमान सवाल को चुनाव में सबसे ऊपर ला पाएगी इसमे शक है। बल्कि लेख लिखे जाने तक भी एनसीपी के नाबाब मालिक मैदान में डटे हैं जिन्हे भाजपा दाऊद का आदमी बता रही है और जिनके खिलाफ काफी मामले चल रहे है। वे जेल भी रहे हैं। पहले उनकी बेटी को उनकी सीट देकर इस विवाद पर परदा डालने की कोशिश हुई लेकिन न मालिक झुके न अजीत पँवार। साफ लग रहा है कि कम्यूनल डिस्कोर्स की जगह जाति का डिस्कोर्स ऊपर रहेगा। इस गठबंधन के बागी भी ज्यादा संख्या में डेट हैं और भाजपा ने इस बीच राज्य की राजनीति में अपने सभी मराठा नेताओं को किनारे लगा दिया है। सो उधार के नेता एकनाथ शिंदे शरद पँवार और पृथ्वीराज चौहान और पटोले जैसे नेताओं के आगे टिकेंगे यह कहना जल्दबाजी होगी। गुजरात महाराष्ट्र में जो रिश्ता रहा है उसमे मोदी और शाह महाराष्ट्र में बाकी जगहों की तरह प्रभावी होंगे इसमें शक है। इसलिए भी महाराष्ट्र का चुनाव ज्यादा दिलचस्प हों गया है।

# उर्वशी रौतेला

## ने दिखाया अपना फ्रेंच बोलने का हुनर

हाल ही में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अपनी फ्रेंच बोलने की कला का प्रदर्शन कर प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह फ्रेंच में बात करती दिख रही हैं। क्लिप के साथ उन्होंने लिखा, ष्मेरी फ्रेंच बोलने की कला। जब आपको फ्रांस से इतना प्यार मिलता है, तो उनकी भाषा को अपनाना ही सही लगता है। फ्रेंच में एक नए सफर की प्रेरणा के लिए धन्यवाद। अभिनेत्री ने शॉर्ट कस्टम–मेड चमकीला आउटफिट पहना हुआ है। उनका मेकअप और हेयरस्टाइल बेहद शानदार लग रहा है। मिस दिवा–मिस यूनिवर्स इंडिया 2015 का खिताब जीतने के बाद प्रसिद्धि पाने वाली उर्वशी रौतेला के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं। वह नंदमुरी बालकृष्ण और बॉबी देओल के साथ एनबीके 109, कमल हासन और शंकर के साथ इंडियन 2, और आफताब शिवदासानी और जस्सी गिल के साथ श्कसूरश् में नजर आएंगी। इसके अलावा, उर्वशी अक्षय कुमार के साथ वेलकम 3 और रणदीप हुड्डा के साथ इंस्पेक्टर अविनाश 2 में नजर आएंगी। वह सनी देओल और संजय दत्त के साथ हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर द एक्सपेंडेबल्स के रीमेक बाप में भी अभिनय कर रही हैं। 'सनम रे अभिनेत्री' एक आगामी बायोपिक में परवीन बॉबी का किरदार भी निभाएंगी। अपनी फिल्मी सफर के अलावा उर्वशी एक अंतर्राष्ट्रीय संगीत वीडियो में भी नजर आएंगी। रौतेला ने 2013 में सिंह साहब द ग्रेट से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और उसके बाद से श्सनम रे, ग्रेट ग्रैंड मस्ती, हेट स्टोरी 4 और पागलपंती सहित कई लोकप्रिय फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने यो यो हनी सिंह के म्यूजिक वीडियो जैसे लव डोज और गल बन गई में अपनी मौजूदगी से फैंस का दिल जीत लिया। इस जोड़ी ने लव डोज के सीक्वल गाने के लिए फिर से साथ काम किया। उन्होंने 2014 में मिस्टर ऐरावत के साथ कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और 2022 में द लीजेंड के साथ तमिल सिनेमा में शुरुआत की।

## तलाक की खबरों के बीच बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे अभिषेक–ऐश्वर्या! डायरेक्टर मणिरत्नम लायेंगे दोनों को करीब

बी–टाउन के गलियारों में इन दिनों ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के चर्चे हैं। कपल के तलाक की खबरें लंबे समय से आ रही हैं। हालांकि, दोनों ही इस बात पर चुप्पी साधे हुए हैं। अभिषेक अब ऐश्वर्या और बेटी आराध्या के साथ नजर नहीं आते हैं, जिसकी वजह से उनके तलाक की खबरों को और भी हवा मिल जाती है। इस सब अफवाहों को बीच नई खबर सामने आई है कि जल्द ही ऐश्वर्या और अभिषेक बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। दोनों मणिरत्नम की एक फिल्म में साथ काम करने वाले हैं। ऐसा माना जा रहा है कि निर्देशक मणिरत्नम एक नई हिंदी फिल्म बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं, जिसमें ऐश्वर्या और अभिषेक एक साथ नजर आ सकते हैं। हालांकि, शादी से पहले दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है, जिनमें से एक 2007 मे आई श्गुरुश भी थी और इस फिल्म को भी मणिरत्नम ने ही डायरेक्ट किया था। वहीं, दोनों के एक बार फिर साथ काम करने की खबरों को लेकर फैंस खुश हो गए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म निर्माता को अब आखिरकार एक ऐसी दिलचस्प कहानी मिली है, जिसमें वे एक बार फिर ऐश्वर्या और अभिषेक को साथ कास्ट कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो कपल के साथ मणिरत्नम की ये तीसरी फिल्म होगी। वहीं, ऐश्वर्या राय को पिछले साल मणिरत्नम की फिल्म श्पोन्नियिन सेलवनरू ए में देखा गया था, जिसका पहला पार्ट 2022 में रिलीज हुआ था। निजी जिंदगी की बात करें तो अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय ने साल 2007 में शादी रचाई थी और शादी के 4 साल बाद दोनों ने बेटी आराध्या का स्वागत किया था।

## घमंड किसको दिखा रहे हो..., एकता कपूर ने विवियन डीसेना को लगाई फटकार, रजत दलाल को भी धोया

लोकप्रिय टीवी शो बिग बॉस लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। 18वां सीजन 6 अक्टूबर को शुरू हुआ था और तब से लेकर अब तक बिग बॉस के घर में हर दिन कुछ न कुछ ड्रामा होता रहता है। शो के वीकेंड का वार एपिसोड में कई बार कोई न कोई सेलेब्रिटी अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए आता रहता है। इस बार इस एपिसोड में एकता कपूर सलमान खान की मेहमान होंगी। अब जब एकता कपूर आ रही हैं तो जाहिर सी बात है कि खूब ड्रामा तो होना ही है। जी हां, शुक्रवार के एपिसोड में एकता कपूर इस शो में नजर आएंगी।

एकता कपूर ने विवियन डीसेना को लगाई डांट

घर में घुसते ही एकता ने हंगामा मचा दिया और कंटेस्टेंट्स को डांटती नजर आईं। इसका एक प्रोमो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें टीवी क्वीन बिग बॉस के लाडले विवियन डीसेना को डांटती नजर आ रही हैं। आपको बता दें कि एकता कपूर ने स्टार वन पर प्यार की ये एक कहानी से विवियन को टीवी पर लॉन्च किया था। प्रोमो में एकता कहती हैं, "विवियन, तुम्हें लॉन्च करने के बाद मुझे खुद तुमसे कुछ सवाल पूछने का हक है। तुमने 10 साल काम किया तो क्या हुआ? घर में सब तुम्हें कुर्सी पर बिठाएंगे क्या?" विवियन जब खुद का बचाव करते हुए कहते हैं कि उनमें कोई अहंकार नहीं है, तो एकता सवाल करती हैं, "तो फिर तुम काम का अहंकार किसे दिखा रहे हो?" एकता आगे कहती हैं कि विवियन घर के मुद्दों से दूर भागते हैं। तो अगर उन्हें ऐसा ही करना था तो 8 साल बाद बिग बॉस में क्यों आए?

इस वीकेंड नहीं दिखेंगे सलमान खान

इस वीकेंड सलमान खान के फैन्स उन्हें थोड़ा मिस करने वाले हैं, क्योंकि वीकेंड एपिसोड में उनकी जगह एकता कपूर और रोहित शेट्टी नजर आएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि सलमान खान हैदराबाद में फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। एकता कपूर शो में अपनी आने वाली फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' का प्रमोशन करती नजर आएंगी।

## सोलह श्रृंगार कर टीवी की गहणा बींदणी ने की छठी मैया की पूजा, नेहा की खरना प्रसाद तस्वीरें देख फैंस ने की संस्कारों की तारीफ

इन समय देशभर में छठ पूजा की धूम है। इसकी शुरुआत कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से होती है और समापन सप्तमी के दिन। इस दौरान महिलाएं निर्जला व्रत रखकर डूबते और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देती हैं। ये पर्व मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, बंगाल और उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है। इस साल छठ पर्व 5 नवंबर से लेकर 8 नवंबर तक रहेगा। आम जनता से लेकर कई स्टार्स हैं जो इस इस महापर्व को मना रहे हैं। इस लिस्ट में टीवी की श्गहणा बींदणीश यानि एक्ट्रेस नेहा मर्दा का नाम भी शामिल है। हर साल की तरह इस साल भी हसीना ने छठ पर्व मनाया। नेहा ने खरना प्रसाद के दिन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो इस समय चर्चा में हैं। सामने आई तस्वीरों में नेहा ग्रीन कलर की साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही हैं। इस साड़ी के साथ उन्होंने रेड दुपट्टा लिया है जिससे सिर को कवर किया है। चोकर, नेकलेस,झुमके और चूड़ियां नेहा के लुक को पूरा कर रहे हैं। नेहा ने नाक से लेकर मांग तक लंबा सिंदूर लगाया है। तस्वीरों में नेहा छठी मैया की पूजा करती नजर आ रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। हाल ही में पर्व मनाने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए नेहा ने कहा–मैं यह नहीं बता सकती कि छठ पूजा मेरे लिए क्या मायने रखती है। यह आपको असीम शांति प्रदान करती है और सूर्य देव की पूजा करने से आपको शक्ति, प्रकाश और ऊर्जा मिलती है। यह अपने मन और शरीर को नियंत्रित करना सीखते हैं और इसमें शक्ति है। मैं अपने और अपने प्रियजनों के लिए अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना करती हूं। उन्होंने आगे कहा–मैंने कभी पूजा नहीं की थी,लेकिन जब मेरी सास बहुत बीमार थीं, तो अंदर से आवाज आई कि अगर वह ठीक हो जाती हैं, तो मैं पूजा करूंगी। और उन्होंने ठीक किया। इसलिए, यह मेरा दूसरा साल होगा। नेहा को अपने परिवार और समुदाय के मार्गदर्शन से शक्ति मिलती है।

## क्या विजय देवरकोंडा और राधिका मदान साथ में करने जा रहे हैं आध्यात्मिक फिल्म ?

ऐसा लगता है कि कई फ्लॉप फिल्मों के बाद साउथ के स्टार अभिनेता विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म के साथ प्रशंसकों को परिचित कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ऐसा लगता है कि अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म के बारे में इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर संकेत दिया है। अभिनेता ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सरफिरा की अभिनेत्री राधिका मदान की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह बेज रंग की साड़ी और गहनों में सजी हुई हैं। ऐसा भी लगता है कि अभिनेता ने इस इंस्टाग्राम स्टोरी के माध्यम से राधिका के साथ अपनी आध्यात्मिक फिल्म की पुष्टि की है। विजय की नवीनतम इंस्टा स्टोरी ने ध्यान खींचा विजय ने भारतीय पोशाक में राधिका की तस्वीर साझा की और लिखा, 'मेरी साहिबा।' दूसरी ओर, राधिका ने विजय की तस्वीर साझा की और लिखा 'मेरी साहिबा।' विजय को स्वतंत्रता से पहले के पुराने परिधान पहने देखा जा सकता है। उनके कैप्शन एक रहस्यमय बंधन का संकेत देते हैं, जो उत्साह और सवालों की झड़ी लगा देता है। क्या ये दो प्यारे अभिनेता स्क्रीन पर नए जमाने की प्रेम कहानी गढ़ रहे हैं? या फिर वे सिनेमाई सहयोग की झलक दिखा रहे हैं जो रोमांस शैली को फिर से परिभाषित कर सकता है? क्या ये किसी बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए किरदारों का खुलासा हो सकता है, या शायद नई भूमिकाओं के माध्यम से दिल को छू लेने वाला रोमांस? दोनों की मनमोहक तस्वीरें पहले ही सोशल मीडिया पर छा चुकी हैं, और प्रशंसक बेसब्री से अभिनेताओं से किसी भी संकेत या घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। अब यह देखना बाकी है कि अभिनेता अपनी फिल्म की आधिकारिक घोषणा कब करेंगे।

काम के मोर्चे पर

विजय देवरकोंडा को आखिरी बार मृणाल ठाकुर अभिनीत 'द फैमिली स्टार' में देखा गया था। पैन इंडिया फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं किया, लेकिन ओटीटी रिलीज के बाद इसे काफी प्रशंसा मिली। दूसरी ओर, राधिका को आखिरी बार अक्षय कुमार अभिनीत सरफिरा में देखा गया था। अभिनेता और फिल्म दोनों ही अच्छी थीं, लेकिन दुर्भाग्य से बॉक्स ऑफिस पर असफल रहीं।

## लड़कों के वॉर्डरोब में होने चाहिए इन 6 रंगों की शर्ट, लड़कियां स्टाइल देखकर फिदा हो जाएगी

अगर आप भी ट्रेंडी कलर की शर्ट पहनना पसंद करते हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। चाहे डेली वियर हो या फिर कोई ऑकेजन, ऐसे में लड़के शर्ट पहनना पसंद करते हैं। अक्सर शर्ट के रंग को लेकर लड़के काफी कंफ्यूज रहते हैं। शॉपिंग के दौरान किस कलर की शर्ट लेनी जो उनके लुक को सूट करेगी। जब आप शर्ट का चयन करते हैं तो कलर का ध्यान रखना जरुरी होता है। शर्ट का रंग हमारे पर्सनालिटी को शानदार बनाता है। एक अच्छे रंग की शर्ट लुक में चार चांद लगा देता है वहीं, गलत रंग की शर्ट लेने से ओवरऑल लुक को खराब कर देती है। अगर आप इन रंग की शर्ट पहनेंगे तो स्मार्ट दिखेंगे, लड़कियां भी तारीफ करेंगी।

ब्लैक शर्ट

लड़कों को अपनी वॉर्डरोब में एक बेसिक ब्लैक शर्ट जरुर होनी चाहिए। किसी भी ऑकेजन पर ब्लैक शर्ट काफी सुंदर लगती है। यह हमेशा एकदम क्लासी लुक देता है। यह रंग हर स्किन टोन पर सूट करता है।

व्हाइट शर्ट

व्हाइट शर्ट दिखने में सिंपल हो सकती है लेकिन यह लुक को बेहद कमाल कर देती है। इसको आप रोजाना या किसी खास ऑकेजन पर पहन सकते हैं। इसे आप कई तरह से फैशन एक्सपेरिमेंट कर के न्यू लुक क्रिएट कर पहन सकते हैं।

लाइट पिंक शर्ट

यदि आप यह सोचते हैं कि पिंक कलर लड़कियों के लिए है तो आपको अपना टेस्ट बदलने की काफी जरुरत है। सॉफ्ट पिंक कलर लड़कों पर खूब जचते हैं। लड़कियों को लड़को पर पिंक यह रंग काफी पसंद आता है। अगर आप किसी रोमेंटिक डेट पर जाना हो या अपनी क्रश को इंप्रेस करना हो, इस रंग से बेहतर कोई और ऑप्शन हो नहीं सकता।

पाउडर ब्ल्यू शर्ट

इस रंग की शर्ट काफी ट्रेंड में रहती है। पाउडर ब्ल्यू शर्ट दिखने में बेहद क्लासी लगती है और प्रोफेशनल लुक भी देती है। यह शर्ट हर किसी के स्किन टोन पर सूट करती है। इसे आप ऑफिस से लेकर डेट पर भी वियर कर सकते हैं।

ऑलिव ग्रीन शर्ट

ऑलिव ग्रीन शर्ट तो आजकल ट्रेंड में है और यह कलर लड़कों पर खिल के आता है। इस रंग की खूबी है कि ये आपको सबसे अलग दिखाता है। ऑलिव ग्रीन शर्ट आपके वॉर्डरोब में जरुर होनी चाहिए। यह कलर लड़कियों को खूब पसंद आता है।

मैरुन कलर

इन रंगों से हटकर आप मैरुन कलर जरुर ट्राई करें। यह रंग हर स्किन टोन पर मैच करता है और आपके लुक को भी काफी स्टाइलिश बनाता है। मैरुन शर्ट को ब्लैक पेंट या जींस के साथ पहन सकते हैं या फिर व्हाइट फॉर्मल पेंट के साथ मैरुन शर्ट एकदम खिल के नजर आती है।

## घर में शांति और सुकून के लिए मंदिर में जरूर रखें ये एक चीज, कभी नहीं होगी धन की कमी

घर के मंदिर में शंख रखना वास्तु के अनुसार बहुत ही शुभ माना जाता है। शंख को भगवान विष्णु का प्रतीक माना गया है, और यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने घर के वातावरण को शुद्ध करने और वास्तु दोष को दूर करने में सहायक होता है। आइए जानते हैं घर के मंदिर में शंख रखने के कुछ प्रमुख वास्तु लाभः

सकारात्मक ऊर्जा का संचार

शंख का नियमित उपयोग और इसकी ध्वनि पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में भी सहायक है और घर के वातावरण को शुद्ध रखता है।

धन और समृद्धि का आगमन

घर के मंदिर में शंख रखने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है, जो कि धन और समृद्धि का प्रतीक है। माना जाता है कि शंख बजाने से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन का आगमन होता है।

स्वास्थ्य लाभ

शंख बजाने से स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी ध्वनि से शरीर में ऑक्सीजन का संचार बेहतर होता है और मानसिक तनाव कम होता है। यह विशेष रूप से दिल और फेफड़ों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

वास्तु दोष का निवारण

शंख का उपयोग घर के वास्तु दोष को दूर करने में भी किया जाता है। इसे घर के मंदिर में रखने से वास्तु दोषों के प्रभाव में कमी आती है और नकारात्मक प्रभावों से बचाव होता है।

शांति और सुकून का माहौल

शंख की ध्वनि से मन को शांति मिलती है। घर के सदस्य जब इस ध्वनि को सुनते हैं, तो उनका मन शांत होता है और घर का माहौल सुकून भरा रहता है। इससे परिवार में झगड़े और तनाव कम होते हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

शंख का धार्मिक महत्व भी है। पूजा के दौरान इसका उपयोग करने से वातावरण पवित्र होता है और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह आध्यात्मिक ऊर्जा को भी बढ़ाता है और ध्यान लगाने में सहायक होता है।

बुरी नजर और दोषों से सुरक्षा

ऐसा माना जाता है कि शंख बुरी नजर, नकारात्मक ऊर्जा और बुरे प्रभावों से बचाव करता है। इसे घर के मंदिर में रखने से परिवार के सदस्यों की सुरक्षा होती है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

वास्तु के अनुसार, घर के मंदिर में शंख रखना और पूजा में इसका उपयोग करना शुभ फलदायक होता है। इसे पूजा के दौरान साफ पानी या गंगाजल से धोकर भगवान के चरणों में रखना चाहिए।

## शादियों के सीजन में डायबिटीज कंट्रोल रखने के आसान टिप्स

सर्दी का मौसम आते ही शादियों का सीजन शुरू हो जाता है, और शादी समारोहों में शामिल होने से हमारी दिनचर्या में बदलाव आता है। खानपान में भी गड़बड़ी हो जाती है, जो खासतौर पर डायबिटीज (मधुमेह) वाले लोगों के लिए समस्या पैदा कर सकती है। अगर आप डायबिटीज से परेशान हैं, तो शादियों के दौरान अपने खानपान और दिनचर्या में कुछ छोटे-छोटे बदलाव करके शुगर लेवल को नियंत्रण में रख सकते हैं।

शादी के दिन नाश्ता संतुलित रखें

अगर आप शादी समारोह में जा रहे हैं, तो दिन की शुरुआत एक संतुलित नाश्ते से करें। पनीर, अंडा, दाल, ओट्स और मिलेट्स (जैसे बाजरा, ज्वार) को अपने नाश्ते में शामिल करें। ये खाद्य पदार्थ शरीर को प्रोटीन और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स देते हैं, जो धीरे-धीरे पचते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखते हैं। इससे ब्लड शुगर में अचानक उतार-चढ़ाव नहीं आता और जल्दी-जल्दी भूख भी नहीं लगती।

सही समय पर भोजन करें

शादी वाले दिन तय समय पर ही भोजन करें, ताकि ओवरईटिंग से बच सकें। अगर भूख लगे, तो छोटे-छोटे हिस्से में भोजन करें, ताकि शुगर कंट्रोल में रहे। नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करना भी जरूरी है, ताकि आप जान सकें कि आपका शुगर बढ़ रहा है या नहीं।

बुफे में क्या खाएं

जब बुफे में भोजन करें, तो पहले सलाद और कम तेल-मसाले वाली सब्जियां खाएं। यह शरीर को फाइबर देती हैं, जिससे शुगर धीरे-धीरे अवशोषित होती है और ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। फिर प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ जैसे पनीर, दाल आदि खाएं। रोटी और चावल (कार्बोहाइड्रेट) की मात्रा कम रखें। अगर मिठाई खाना चाहें, तो उसे अंतिम समय में बहुत कम मात्रा में खाएं।

पर्याप्त आराम करें

शादी के कार्यक्रमों में थकान और तनाव होना आम बात है, लेकिन यह ब्लड शुगर को असंतुलित कर सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आप बीच-बीच में आराम करें और तनाव से बचें। जब भी मौका मिले, डीप ब्रीदिंग (गहरी सांस) का अभ्यास करें। इससे मानसिक शांति मिलेगी और शुगर कंट्रोल में रहेगा। साथ ही, 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद जरूर लें।

हाइड्रेटेड रहें और एक्टिव रहें

पानी की कमी से भी ब्लड शुगर प्रभावित हो सकता है, इसलिए शादी के दौरान खुद को हाइड्रेटेड रखें। दिनभर में पर्याप्त पानी पिएं और नारियल पानी या हर्बल चाय जैसे हेल्दी पेय का सेवन करें। मीठे पेय और शराब से बचें, क्योंकि इनसे शुगर बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक्टिव रहने से भी ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। अगर शादी के समारोह में डांस करने का मौका मिले, तो यह एक बेहतरीन एक्सरसाइज हो सकती है। अगर डांस का समय न हो, तो छोटे-छोटे ब्रेक लेकर हल्की-फुल्की वॉक भी कर सकते हैं। शादियों के दौरान खानपान में बदलाव के कारण डायबिटीज के मरीजों को शुगर कंट्रोल करने में मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप ऊपर बताए गए कुछ आसान टिप्स को अपनाएंगे, तो आप शादी समारोहों का आनंद लेते हुए अपनी सेहत का भी ख्याल रख सकते हैं।

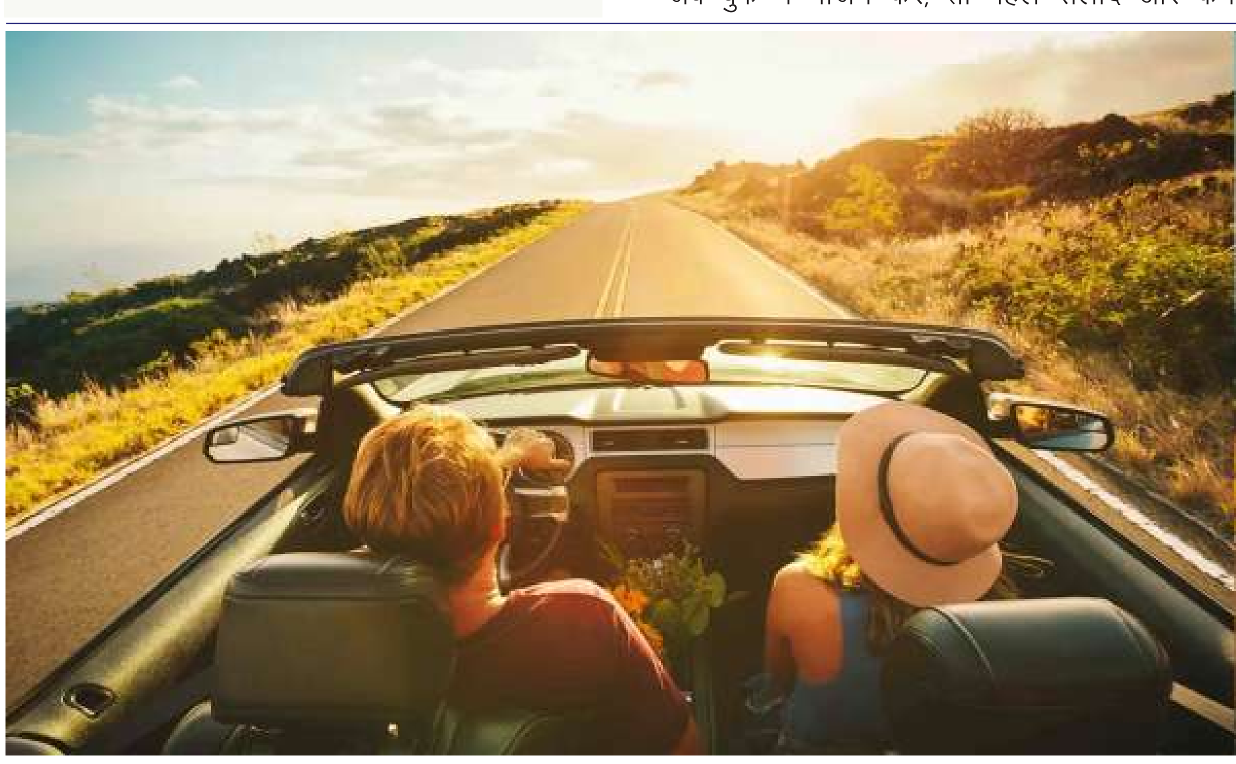

## भोपालवासी अब परिवार के साथ कर सकेंगे तीर्थ यात्रा, IRCTC ने निकाला खास टूर पैकेज

*IRCTC यात्रियों की सुविधा के लिए अब टूर पैकेज लेकर आता है। यह आपकी यात्रा को आरामदायक बनाने में सहायता करता है। इस बार यह टूर पैकेज भोपाल वालों के लिए है। अगर आप परिवार के साथ भोपाल से बालाजी के दर्शन का प्लान बना रहे हैं, तो यह टूर पैकेज आपके लिए है।*

अगर आप अपने परिवार के साथ किसी तीर्थ यात्रा पर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आप भारतीय रेलवे की तरफ से शुरू की गई टूर पैकेज से यात्रा कर सकते हैं। बता दें कि IRCTC यात्रियों की सुविधा के लिए अब टूर पैकेज लेकर आता है। यह आपकी यात्रा को आरामदायक बनाने में सहायता करता है। इस बार यह टूर पैकेज भोपाल वालों के लिए है। अगर आप परिवार के साथ भोपाल से बालाजी के दर्शन का प्लान बना रहे हैं, तो यह टूर पैकेज आपके लिए है। इस दौरान आपको बालाजी के दर्शन के अलावा अन्य जगहों पर भी घूमने का मौका मिलेगा। इस टूर पैकेज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आपको होटल से लेकर रेलवे स्टेशन या एयरपोर्ट से होटल तक जाने के लिए परिवहन साधन की भी जरूरत नहीं होगी। क्योंकि यह सारी सुविधाएं भारतीय रेलवे आपको इस पैकेज में देगा। तो आइए जानते हैं इस टूर पैकेज से जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में...

टूर पैकेज

इस टूर पैकेज की शुरुआत भोपाल के साथ उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, इंदौर, देवास, संत हिरदाराम नगर, बैतूल और नागपुर से भी हो रही है। ऐसे में आप इन जगहों से भी यात्रा की शुरुआत कर सकते हैं।

यह टूर पैकेज 9 रात और 10 दिन का है।

इस पैकेज का लाभ लेने के लिए आप 16 दिसंबर तक टिकट बुक कर सकते हैं।

इस दौरान आपको ट्रेन से यात्रा करने का मौका मिलेगा।

इस टूर पैकेज का नाम DAKSHIN DARSHAN YATRA (दक्षिण दर्शन यात्रा) है।

आप भारतीय रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट पर इस टूर पैकेज का नाम डालकर यात्रा से जुड़ी सभी डिटेल्स पढ़ सकते हैं।

इस टूर पैकेज में आपको तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी और त्रिवेंद्रम आदि घूमने का मौका मिलेगा।

इस टूर पैकेज का कोड WZBG 28A है।

पैकेज फीस

इसमें आपको थर्ड कोच में टिकट बुक करने का मौका मिल रहा है।

वहीं अगर आप स्लीपर कोच में टिकट बुक करते हैं, तो प्रति व्यक्ति 18,000 रुपए देना होगा।

3AC में टिकट बुक करने पर प्रति व्यक्ति 29,500 रुपए देना होगा।

2AC में टिकट बुक करने पर प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 39,000 रुपए है।

आईआरसीटीसी के टूर पैकेज में मिलने वाली सभी सुविधाओं को पढ़ने के बाद ही टिकट बुक कराएं।

पैकेज में मिलने वाली सुविधाएं

स्लीपर कोच में नॉन एसी स्लीपर ट्रेन यात्रा करने का मौका मिलेगा। ऑनबोर्ड और ऑफ बोर्ड भोजन, नॉन एसी होटल रूम, नॉन एसी होटलों में ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग आधार पर रुकना और घूमने के लिए नॉन एसी परिवहन साधन मिलेगा।

थर्ड एसी में ट्रेन पैजेक टिकल बुक करने पर आपको ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग आधार पर एसी बजट होटलों में रुकना, ऑनबोर्ड और ऑफ बोर्ड भोजन और घूमने के लिए नॉन एसी परिवहन साधन मिलेगा।

सेकेंड एसी पैकेज बुक करने पर ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग आधार पर एसी बजट होटलों में स्टे, ऑनबोर्ड और ऑफ बोर्ड भोजन के साथ एसी परिवहन साधन घूमने के लिए मिलेगा।

पैकेज फीस में ही आपको ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड शाकाहारी भोजन नाश्ता, दोपहर का भोजन और डिनर मिलेगा।

घूमने के लिए बस की सुविधा मिलेगी।

टूर एस्कॉर्ट और हर कोच के लिए ट्रेन में सुरक्षा कर्मचारी मिलेगा।

प्रति व्यक्ति को प्रति दिन 2 लीटर पानी की बोतल दी जाएगी।

यात्रियों को यात्री बीमा की सुविधा भी मिलेगी।

भारतीय रेल की ऑफिशियल वेबसाइट से टिकट बुकिंग कर सकते हैं।

## संक्षिप्त

### ई-कॉमर्स ऑपरेटरों की बढ़ेगी परेशानी, ऑपरेटरों को गोदाम की निगरानी बढ़ाने के एफएसएसएआई ने दिए निर्देश

कुछ समय पहले ही जोमैटो के गोदाम में मशरूम के पैकेट पर डेट की हेराफेरी देखने को मिली थी। इसपर जोमैटो द्वारा सफाई भी सामने आ चुकी है। वही अब इस मामले में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बड़ा फैसला लिया है। एफएसएसएआई ने अपनी 45वीं केंद्रीय सलाहकार समिति की बैठक में निर्देश दिए हैं कि राज्यों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के गोदाम और सुविधाओं की निगरानी बढ़ाए जाएं। वहीं समाचार एजेंसी पीटीआई की मानें तो एफएसएसएआई ने राज्यों को सुविधाओं और डिलीवरी कर्मियों के लिए भी नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाने को कहा है। इस रिपोर्ट की मानें तो राज्यों को "निगरानी नमूने" संग्रह की संख्या बढ़ाने और इन सुविधाओं की बेहतर निगरानी के लिए फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स मोबाइल वैन तैनात करने के लिए भी कहा गया है। यह सब ऐसे समय में हुआ है जब ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स से जुड़ी सुविधाओं द्वारा खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के बारे में चिंता जताई जा रही है। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नवंबर से मार्च तक पर्यटकों का चरम मौसम रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, खाद्य सुरक्षा नियामक इस मुद्दे पर आगे चर्चा करने के लिए अगले सप्ताह त्वरित-वाणिज्य प्लेटफार्मों के साथ बैठक भी करेगा। एफएसएसएआई ने राज्यों से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) के लिए प्रशिक्षण प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए भी कहा। रिपोर्ट में नियामक के बयान का हवाला देते हुए कहा गया है, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से मार्च 2026 तक 25 लाख खाद्य संचालकों को प्रशिक्षित करने का आग्रह किया गया है, जिनमें विश्वविद्यालय, कॉलेज और छात्रावास कैंटीन के संचालक भी शामिल हैं। एफएसएसएआई अधिकारियों ने एक "एकीकृत खाद्य सुरक्षा दृष्टिकोण" को भी प्रोत्साहित किया, साथ ही सभी संबंधित मंत्रालयों, हितधारकों से सहयोग करने का आग्रह किया, और विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस मामले के संबंध में नियमित रूप से सलाहकार समिति की बैठकें आयोजित करने को कहा है।

### सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जेट एयरवेज के 1.43 लाख शेयरधारकों पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

जेट एयरवेज के शेयरधारकों द्वारा किया गया निवेश अब खत्म होने की कगार पर है। जेट एयरवेज के लगभग 1.43 लाख खुदरा शेयरधारकों द्वारा किया गया निवेश पूर्ण रूप से सफाए की कगार पर है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार आठ नवंबर को ही जालान कलरॉक कंसोर्टियम की अधिग्रहण बोली को खारिज करते हुए संकटग्रस्त एयरलाइन के परिसमापन का आदेश दिया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार खुदरा निवेशक वर्तमान में जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड के 19.29: शेयरों के मालिक हैं। इसका मतलब है कि कंपनी में 1,43,894 शेयरधारकों

के पास 2,19,12,441 शेयर हैं, जिसका मतलब है कि खुदरा शेयरधारकों के पास कुल मिलाकर जेट एयरवेज के 74,58,99,491.64 (74.59 करोड़) शेयर हैं। 8 नवंबर के कारोबारी सत्र के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी के शेयर 34.04 रुपये पर बंद हुए थे। यह 1.79 अंक या 5: की गिरावट थी। कंपनी के प्रमोटर नरेश गोयल (संस्थापक और अध्यक्ष) के पास 24.99: शेयर हैं। अन्य प्रमुख शेयरधारकों में पंजाब नेशनल बैंक शामिल है, जिसके पास 26.01: और एतिहाद एयरवेज के पास 24: शेयर हैं। अन्य शेयरधारकों में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) शामिल है, जिसके पास 2.07: हिस्सेदारी है, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जिनके पास सिर्फ 0.01: हिस्सेदारी है, तथा एनआरआई जिनके पास 0.96: हिस्सेदारी है।

### अमेरिकी फेड ने ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की, मौद्रिक नीति में ढील जारी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने आर्थिक स्थिरता को सहारा देने के उद्देश्य से नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंकों की कटौती की है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी के नवीनतम निर्णय ने संघीय निधि दर लक्ष्य को 4.5 प्रतिशत से 4.75 प्रतिशत की सीमा तक घटा दिया है। फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के अनुसार, यह कदम स्थायी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और मुद्रास्फीति को फेड के दीर्घकालिक 2 प्रतिशत लक्ष्य की ओर ले जाने की फेड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पॉवेल ने कहा, आज एफओएमसी ने हमारी नीतिगत ब्याज दर को एक चौथाई प्रतिशत कम करके नीतिगत संयम की डिग्री को कम करने में एक और कदम उठाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि हमारे नीतिगत रुख के उचित पुनर्मूल्यांकन के साथ, अर्थव्यवस्था और श्रम बाजार में मजबूती को बनाए रखा जा सकता है और मुद्रास्फीति को 2 प्रतिशत तक स्थायी रूप से नीचे लाया जा सकता है। हमने अपने सुरक्षा समाधानों को कम करना जारी रखने का भी फैसला किया है। हाल के संकेतक ठोस आर्थिक वृद्धि दिखाते हैं, साथ ही श्रम बाजार की स्थितियों में स्थिर, हालांकि थोड़ा संयमित, विस्तार होता दिख रहा है। बेरोजगारी दर में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन यह अपेक्षाकृत कम बनी हुई है, जो आम तौर पर स्वस्थ नौकरी बाजार का संकेत देती है। मुद्रास्फीति, हालांकि सुधरी है, लेकिन अभी तक पूरी तरह से फेड के लक्ष्य तक नहीं पहुंची है, जो दर्शाता है कि केंद्रीय बैंक अपनी मौद्रिक नीति को समायोजित करते समय एक नाजुक संतुलन बना रहा है।

# पाकिस्तान ने 93 महीने बाद ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया

एडिलेड। पाकिस्तान ने एडिलेड ओवल में खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 ओवर में 163 रन पर सिमट गई। जवाब में पाकिस्तान ने 26.3 ओवर में एक विकेट गंवाकर जीत हासिल की। हारिस रऊफ ने पांच विकेट झटके। वहीं, सैम अयूब ने 82 रन की पारी खेली। तीन मैचों की वनडे सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। पहला वनडे ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। अब 10 नवंबर को निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा। पाकिस्तान ने वनडे में जनवरी 2017 के बाद ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया है। पाकिस्तान ने इससे पहले कंगारुओं को 15 जनवरी 2017 को मेलबर्न वनडे में हराया था। अब 93 महीने बाद पाकिस्तानी टीम ने जीत हासिल की। पिछले साल वनडे विश्व कप में पहले दौर से बाहर होने के बाद यह पाकिस्तानी टीम की पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज है और टीम ने गजब की वापसी की है। पहले वनडे में पाकिस्तानी टीम ने कंगारुओं को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दो विकेट से जीत दर्ज में कामयाब हुआ था। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही। टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। मैथ्यू शॉर्ट 19 रन, जेक फ्रेजर मैकगर्क 13 रन, जोश इंगलिस 18 रन, मार्नस लाबुशेन छह रन, एरॉन हार्डी 14 रन, ग्लेन मैक्सवेल 16 रन और कप्तान पैट कमिंस 13 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल स्टार्क एक रन बना सके और एडम जैम्पा 18 रन बना सके। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने पांच विकेट लिए, जबकि शाहीन अफरीदी को तीन विकेट मिले। नसीम शाह और मोहम्मद हसनैन को एक-एक विकेट मिला। 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। सैम अयूब और अब्दुल्ला शफीक ने पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी निभाई। अयूब ने वनडे करियर का पहला अर्धशतक लगाया। वह 71 गेंद पर पांच चौके और छह छक्के की मदद से 82 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जैम्पा ने हेजलवुड के हाथों कैच कराया। इसके बाद शफीक ने बाबर आजम के साथ मिलकर पाकिस्तान की टीम को जीत दिलाई। शफीक 69 गेंद पर चार चौके और तीन छक्के की मदद से 64 रन बनाकर और बाबर 20 गेंद में 15 रन बनाकर नाबाद रहे। सीरीज का निर्णायक मुकाबला पर्थ में 10 नवंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें तीन मैचों की टी20 सीरीज में आमने-सामने होंगी।

# नीलामी में स्टार्क नहीं, बल्कि इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को खरीदना चाहती है कोलकाता की टीम

नई दिल्ली। आईपीएल के मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को मेगा

नीलामी में अपनी टीम को फिर से बनाना होगा। हालांकि, उन्होंने अपने छह कोर खिलाड़ियों को रिटेन किया है, लेकिन उन्हें खिताब जीतने वाली टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों को रिलीज करना पड़ा। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई है कि केकेआर की टीम आईपीएल 2024 में प्लेऑफ में केकेआर की जीत में मुख्य भूमिका निभाने वाले आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को दोबारा खरीदने का विचार नहीं कर रही है। स्टार्क ने आईपीएल 2024 के दौरान क्वालिफायर-1 और फाइनल दोनों में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था। हालांकि, स्टार्क को रिलीज करने की मुख्य वजह एक ऐसे भारतीय गेंदबाज को बताया जा रहा है, जिसे उसकी टीम ने भी नीलामी से पहले रिलीज किया है। बाएं हाथ का यह भारतीय पेसर कोई और नहीं बल्कि बाएं हाथ के सीमर अर्शदीप सिंह हैं। अर्शदीप टी20 विश्व कप 2024 में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, केकेआर मेगा नीलामी में अर्शदीप पर बोली लगाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2024 में 14 मैचों में 19 विकेट लिए थे। साथ ही टी20 विश्व कप 2024 में 17 विकेट लिए थे। हालांकि, आईपीएल 2024 में अर्शदीप का इकोनॉमी रेट 10 से ज्यादा का रहा था, जो कि जरूर चिंता का विषय है, लेकिन डेथ ओवर्स में अच्छी गेंदबाजी की क्षमता और पावरप्ले में विकेट लेने की क्षमता कुछ ऐसी है, जिस पर केकेआर की नजर होगी। अर्शदीप डेथ ओवर्स में लगातार यॉर्कर भी फेंक सकते हैं। वह ऑक्शन पूल में भारत के सबसे चहेते तेज गेंदबाज के रूप में उतरेंगे। नीलामी के दौरान अर्शदीप की काफी मांग भी होगी और उनकी बिक्री कीमत 15 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। अर्शदीप 2019 से पंजाब किंग्स की टीम के साथ हैं, लेकिन इस साल मेगा ऑक्शन से पहले उन्हें बरकरार नहीं रखा गया था। हालांकि, पंजाब के नीलामी पर्स में 110.5 करोड़ रुपये और उनके पास चार राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड भी है। अर्शदीप अभी भी पंजाब की टीम में वापस आ सकते हैं। पंजाब ने अगले साल के लिए प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह को रिटेन किया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले ही सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती के रूप में दो क्वालिटी स्पिनरों को रिटेन किया है। इसके अलावा उन्होंने हर्षित राणा और आंद्रे रसेल के रूप में दो तेज गेंदबाजों को भी बरकरार रखा है। साथ ही रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह क भी रिटेन किया है। केकेआर अपने पर्स में 51 करोड़ रुपये के साथ मेगा नीलामी में प्रवेश करेगा। स्टार्क की आईपीएल 2024 की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही थी। उन्हें 24.75 करोड़ रुपये की आईपीएल रिकॉर्ड फीस में खरीदा गया था, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट का अंत शानदार अंदाज में किया था। क्वालिफायर 1 और फाइनल में उनकी गेंदबाजी ने सनराइजर्स हैदराबाद को संभलने का मौका नहीं दिया। उन दो मैचों में उन्होंने कुल मिलाकर पांच विकेट लिए थे।

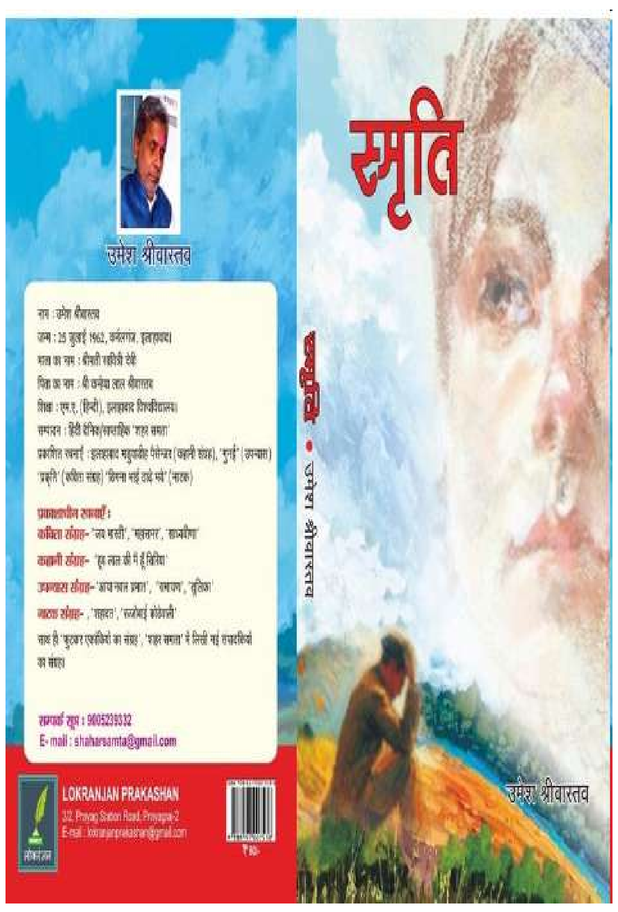


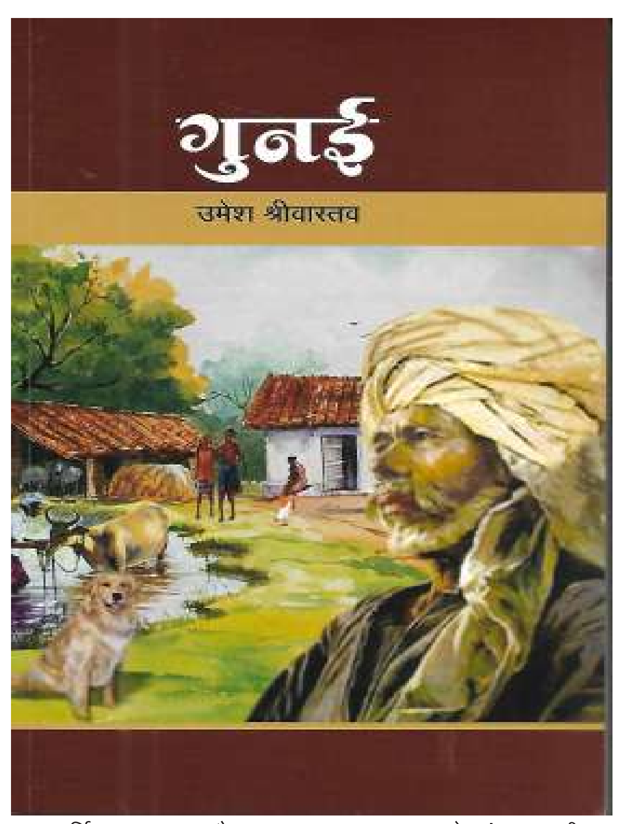


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

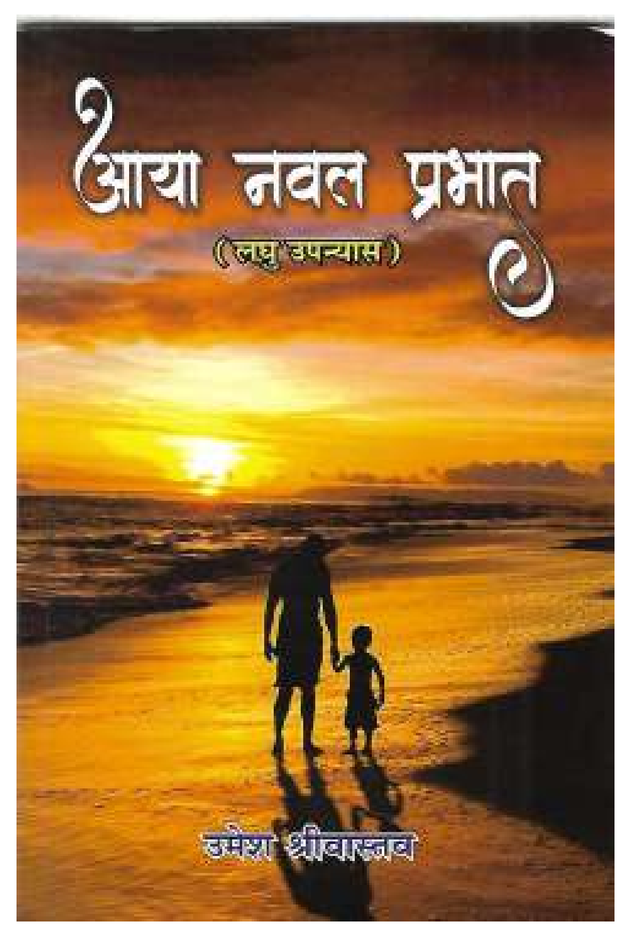


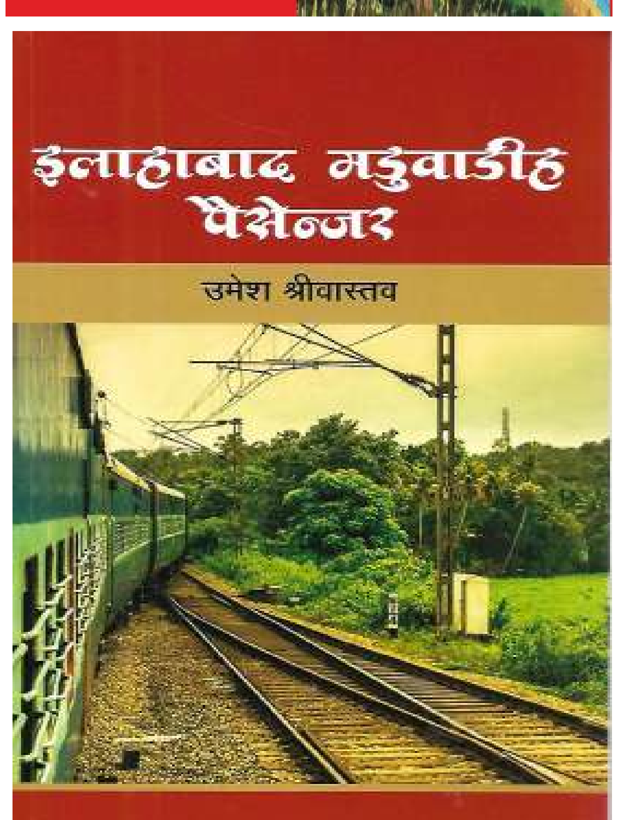


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

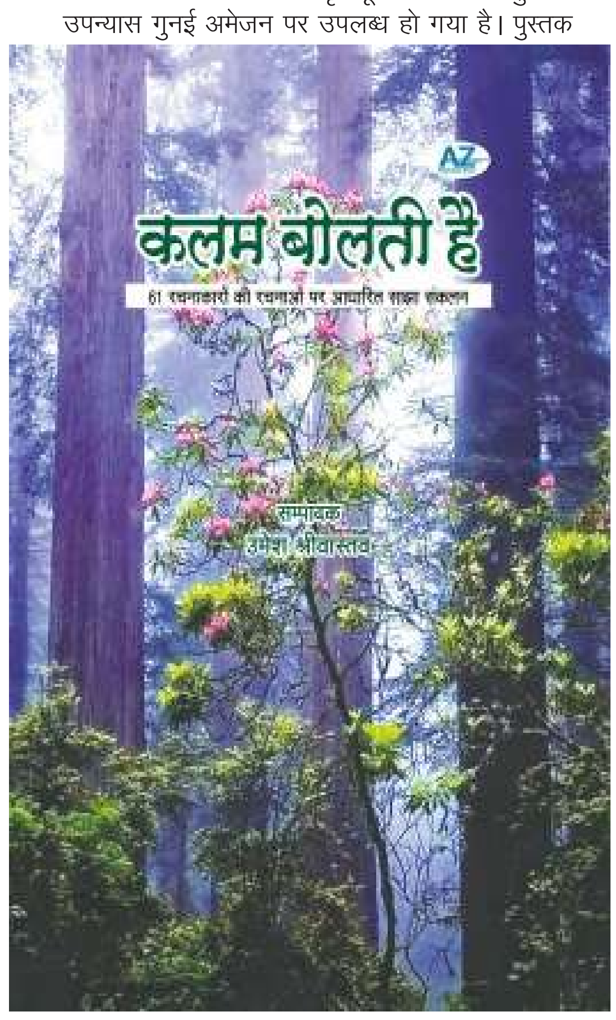


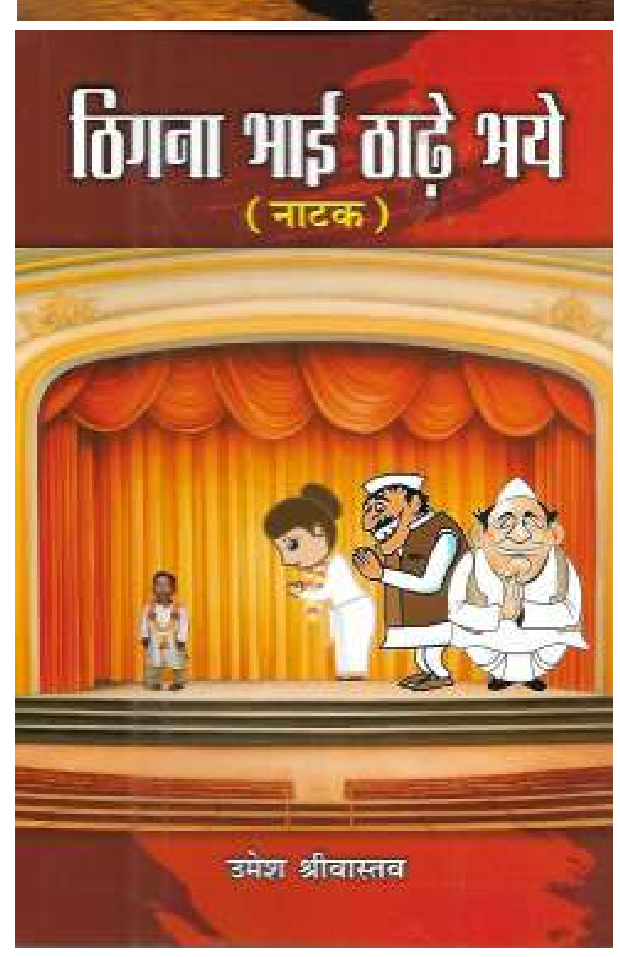


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### विदेश मंत्री जयशंकर, सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री गान किम योंग से मुलाकात की और उनके साथ द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं की इस बातचीत में औद्योगिक पार्क, नवाचार और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। जयशंकर दो देशों की अपनी यात्रा के दूसरे चरण में सिंगापुर पहुंचे हैं।

इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की थी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग से मुलाकात कर सिंगापुर की अपनी यात्रा की शुरुआत की। औद्योगिक पार्क, हरित ऊर्जा, कौशल, नवाचार और सेमीकंडक्टर पर ध्यान केंद्रित करते हुए समकालीन साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।'' जयशंकर अपनी इस एक दिवसीय यात्रा के दौरान आसियान (दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के संगठन) – 'इंडिया नेटवर्क ऑफ थिंक टैंक्स' के आठवें गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करेंगे। वह दोनों देशों के बीच घनिष्ठ साझेदारी की समीक्षा करने तथा द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने के अवसर तलाशने के लिए सिंगापुर के शीर्ष नेतृत्व से भी मिलेंगे।

### अमेरिका पुराना मित्र, ट्रंप के निर्वाचन से चीन के साथ हमारे संबंध नहीं होंगे प्रभावित : पाकिस्तान

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका देश और अमेरिका ''पुराने मित्र और साझेदार'' हैं। प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने यह भी कहा कि अमेरिका के नए राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के निर्वाचन से चीन के साथ पाकिस्तान के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को बधाई दी। उन्होंने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''अमेरिका के साथ हमारे संबंध दशकों पुराने हैं और हम सभी क्षेत्रों में पाकिस्तान और अमेरिका के संबंधों को और मजबूत एवं व्यापक करने को लेकर आशान्वित हैं।

### बाइडन प्रशासन को भारत के साथ संबंध मजबूत करने पर गर्व है : अधिकारी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन को भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने पर गर्व है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, ''मैं कहूंगा कि भारत के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करना कुछ ऐसा है जिस पर यह प्रशासन अविश्वसनीय रूप से गर्व करता है। 'क्वाड' के माध्यम सेऔर कई साझा प्राथमिकताओं पर हमारे काम के माध्यम से संबंधों में मजबूती आई है।'' मिलर ने कहा, ''यह ऐसा विषय है जिस पर हमने पहले दिन से ही ध्यान केंद्रित किया और अब जब हम पद छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं हम इसे एक बड़ी सफलता के रूप में देखते हैं।'' मिलर ने बाइडन प्रशासन के तहत भारत–अमेरिका संबंधों पर एक सवाल के जवाब में यह बात कही।

### तो तालिबान शासन से रिश्ते बढ़ाएगा भारत! अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

काबुल। भारतीय विदेश मंत्रालय के पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान मामलों के संयुक्त सचिव जेपी सिंह के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री से मुलाकात की। अफगानिस्तान की सरकार ने सोशल मीडिया पर साझा एक बयान में इसकी जानकारी दी है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि श्जेपी सिंह के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के प्रशासक मावलावी मोहम्मद याकूब से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, खासकर मानवाधिकार मामले समेत अन्य मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। साथ ही अफगानिस्तान ने दोनों देशों के बीच बातचीत को और मजबूत करने की इच्छा जाहिर की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत ने तालिबान सरकार को ईरान में भारत द्वारा विकसित किए जा रहे चाबाहर बंदरगाह का व्यापार के लिए इस्तेमाल करने की पेशकश की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री के अलावा भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान को पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों के साथ भी मुलाकात की। गौरतलब है कि भारत सरकार अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान सरकार को मान्यता नहीं देती है, लेकिन भारतीय प्रतिनिधिमंडल के तालिबान सरकार के अधिकारियों से मुलाकातों के बाद माना जा रहा है कि भारत सरकार पर्दे के पीछे से धीरे–धीरे तालिबान सरकार के साथ सहयोग बढ़ा रही है। भारत द्वारा अफगानिस्तान को गेहूं, दवाईयां, मेडिकल आपूर्ति आदि की मदद समय–समय पर दी जाती है। इससे पहले इसी साल मार्च में भी जेपी सिंह के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी से काबुल में मुलाकात की थी। साफ है कि भारत सरकार अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान सरकार को भले ही मान्यता नहीं देती है, लेकिन भारतीय प्रतिनिधिमंडल के तालिबान सरकार के अधिकारियों से मुलाकातों के बाद माना जा रहा है कि भारत सरकार पर्दे के पीछे से धीरे–धीरे तालिबान सरकार के साथ सहयोग बढ़ा रही है।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227


# हिंदुओं पर हमले के बाद क्या जाने वाली है युनूस की कुर्सी ? भारत से चुपचाप ट्रंप तक पहुंच गई शेख हसीना!

अमेरिकी चुनाव में रिपबल्किन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद सबसे ज्यादा हैरान–परेशान भारत का पड़ोसी देश बांग्लादेश नजर आ रहा है। बांग्लादेश में उतल पुथल की वजह भारत में बैठी शेख हसीना बनी है। शेख हसीना ने एक ऐसा खेल कर दिया है जिसने कई देशों को हिला कर रख दिया है। जिस वक्त बांग्लादेश में मुहम्मद युनूस की सरकार ट्रंप से बचने का प्लान बना रही थी। ठीक उसी वक्त शेख हसीना चुपचाप डोनाल्ड ट्रंप तक पहुंच गई। भारत में बैठकर शेख हसीना ने ऐसा दांव खेला है जो भारत के लिए भी काफी अहम साबित होगा। आपको याद होगा कि राष्ट्रपति बनने से पहले ही डोनाल्ड ट्रंप

ने बांग्लादेश में चल रही अराजकता पर चिंता जताई थी। बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि वहां पूरी तरह अराजकता की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मेरे निगरानी में ऐसा कभी नहीं होता। अब इसी बीच शेख हसीना ने एक राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति बनने की बधाई दे दी है। शेख हसीना की तरफ से उनकी पार्टी आवामी लीग ने आधिकारिक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्ष शेख़ हसीना ने डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने पर बधाई। उन्होंने कहा कि ट्रंप की शानदार चुनावी जीत उनके नेतृत्व और अमेरिकी लोगों का उनमें जो भरोसा है, उसका प्रमाण है। पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप के साथ शेख़ हसीना की एक तस्वीर भी डाली गई है। बयान में अभी भी शेख हसीना को बांग्लादेश का प्रधानमंत्री कहा गया है। बयान में कहा गया है कि शेख़ हसीना ने प्रधानमंत्री के तौर पर उन मुलाक़ातों और बातचीत को बहुत खुशी से याद किया है जो उन्होंने राष्ट्रपति रहते हुए डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया ट्रंप के साथ की थीं। शेख हसीना ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी मुलाकात को याद किया। इसके बाद शेख हसीना की तरफ से जो कहा गया है वो ऐतिहासिक है। शेख हसीना ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत और अमेरिका के रिश्ते और भी मजबूत होंगे। मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मिलकर बांग्लादेश की भलाई के लिए काम करूंगी। यानी खुद शेख हसीना एक प्रधानमंत्री की हैसियत से राष्ट्रपति ट्रंप से बात कर रही हैं। कुछ दिन पहले ही बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने कहा था कि शेख हसीना ने अभी तक कोई इस्तीफा नहीं दिया है। बांग्लादेश के संविधान के मुताबिक अभी भी वो प्रधानमंत्री हैं।

# पुतिन ने भारत की दिल खोलकर की तारीफ, बताया महान देश

## वैश्विक महाशक्तियों की सूची में शामिल होने का हकदार

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत वैश्विक महाशक्तियों की सूची में शामिल होने का हकदार है क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था वर्तमान में किसी भी अन्य देश की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। गुरुवार को सोची में वल्दाई डिस्कशन क्लब के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए पुतिन ने यह भी कहा कि रूस भारत के साथ सभी दिशाओं में संबंध विकसित कर रहा है और द्विपक्षीय संबंधों में काफी विश्वास है। उन्होंने कहा कि डेढ़ अरब की आबादी, दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज विकास, प्राचीन संस्कृति और आगे विकास की बहुत अच्छी संभावनाओं के साथ भारत को निस्संदेह महाशक्तियों की सूची

में शामिल किया जाना चाहिए। भारत को एक महान देश बताते हुए पुतिन ने कहा कि हम भारत के साथ सभी दिशाओं में संबंध विकसित कर रहे हैं। भारत एक महान देश है, अब जनसंख्या के मामले में सबसे बड़ा देश हैरू 1.5 अरब लोग, साथ ही हर साल 10 मिलियन। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक विकास में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। रूसी समाचार एजेंसी तास ने पुतिन के हवाले से कहा कि हमारे संबंध कहां और किस गति से विकसित होंगे, इसका हमारा दृष्टिकोण आज की वास्तविकताओं पर आधारित है। हमारे सहयोग की मात्रा हर साल कई गुना बढ़ रही है। पुतिन ने कहा कि सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में भारत और रूस के बीच संपर्क विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देखिए कि कितने प्रकार के रूसी सैन्य उपकरण भारतीय सशस्त्र बलों की सेवा में हैं। इस रिश्ते में काफी हद तक विश्वास है। हम सिर्फ भारत को अपने हथियार नहीं बेचते हैं; हम उन्हें संयुक्त रूप से डिजाइन करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका पर एक स्पष्ट हमला। पुतिन ने उदाहरण के तौर पर ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल प्रोजेक्ट का नाम दिया। उन्होंने कहा कि वास्तव में हमने इसे (मिसाइल) तीन वातावरणों में उपयोग के लिए उपयुक्त बनाया है – हवा में, समुद्र में और जमीन पर। भारत की सुरक्षा के लाभ के लिए संचालित ये परियोजनाएं जारी हैं।

### अमेरिकी नागरिकों के जीवनसाथियों के लिए बाइडन की अहम नीति अवैध घोषित, संघीय जज का बड़ा फैसला

निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन की ''पैरोल इन प्लेस'' नीति की वैधता गुरुवार को एक संघीय न्यायाधीश की तरफ से रद्द करने के बाद काफी हद तक बदल गई। इस आव्रजन कार्यक्रम ने अमेरिकी नागरिकों के कुछ अवैध जीवनसाथी को कानूनी दर्जा दिया था।

डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति पद पर बड़ी वापसी के संकेत

अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज जे. कैंपबेल बार्कर ने एक फैसला सुनाया जो हाल ही में राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के तुरंत बाद आया। यह फैसला डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति पद पर बड़ी वापसी का संकेत है। दरअसल बाइडन प्रशासन ने इस साल की शुरुआत में श्परिवारों को एकजुट रखनेश की नीति की घोषणा की थी ताकि मिश्रित–स्थिति वाले परिवारों में एकता को बढ़ावा दिया जा सके। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से जो बाइडन की इस नीति को झटका लगा है।

ट्रंप के पहले कार्यकाल में नियुक्त जज का बड़ा फैसला

जज जे. कैंपबे बार्कर, जिन्हें नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में नियुक्त किया था, ने निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की एक प्रमुख नीति को खत्म कर दिया। ये नीति कुछ ऐसे अवैध आप्रवासियों को सुरक्षा प्रदान करती थी जो अमेरिकी नागरिकों के जीवनसाथी थे, और उन्हें अमेरिका में कानूनी रूप से काम करने की अनुमति भी देती थी ताकि वे धीरे–धीरे नागरिकता की ओर बढ़ सकें। बता दें कि बाइडन प्रशासन की इस नीति के तहत 10 साल से अमेरिका में बिना किसी गंभीर अपराध के रह रहे लोगों को भी शामिल किया गया था। इसके अलावा, यह सुरक्षा उन अवैध आप्रवासियों के सौतेले बच्चों पर भी लागू होती, जिनके माता–पिता अमेरिकी नागरिक हैं। करीब सात–आठ लाख लोगों पर पड़ सकता है असर

एक समाचार चौनल की रिपोर्ट के अनुसार, बाइडन की इस नीति का असर साढ़े सात से आठ लाख लोगों पर पड़ सकता था। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस–मेक्सिको सीमा को और मजबूत बनाने और सेना की तैनाती करने का भी वादा किया है। जज बार्कर का यह फैसला उन दर्जनों रिपब्लिकन राज्यों की तरफ से दायर मुकदमे के पक्ष में आया है, जिसमें टेक्सास भी शामिल है, जिन्होंने इस नीति पर यूएस इमिग्रेशन कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था।

# ताइवान को उम्मीद- चुनाव में किए वादे को निभाएंगे ट्रंप, चीन के आक्रमण से द्वीप राष्ट्र को बचाएंगे

ताइपे (ताइवान)। ।ताइवान सरकार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उम्मीद है कि वह स्व–शासित द्वीप की चीनी आक्रामकता से रक्षा करना जारी रखेंगे। रेडियो फ्री एशिया (आरएफए) की रिपोर्ट के मुताबिक, ताइपे उम्मीद कर रहा है कि ट्रंप अपने चुनावी अभियान के दौरान किए गए उस वादे को पूरा करेंगे, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका भुगतान के बाद द्वीप राष्ट्र की रक्षा करेगा। द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता करेन कुओ ने कहा, हम नए अमेरिकी प्रशासन और कांग्रेस के साथ मिलकर ताइवान–अमेरिका संबंधों में एक नई स्थिति बनाने के लिए काम करेंगे। आरएफए की रिपोर्ट के मुताबिक, ताइवान के निवासी डोनाल्ड ट्रंप की चुनावी जीत को द्वीप राष्ट्र की जीत के रूप में देख रहे हैं। एक स्थानीय निवासी ने कहा, ट्रंप जो कदम उठाते हैं, वे बाइडन से ज्यादा मजबूत होते हैं और चीन कुछ भी गलत कदम नहीं उठाएगा। वह ऐसा नहीं होने देंगे कि चीन ताइव को अपने में मिला ले। ताइपे के एक अधिकारी ली ने कहा, मुझे लगता है कि ट्रंप के चुनाव जीतने से ताइवान जलडमरूमध्य का सुरक्षा माहौल बेहतर होगा। ट्रंप ने पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि बीजिंग ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र में बहुत आक्रामक कदम उठाए हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में अपने सारे जहा तैनात कर दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि ताइवान का मौजूदा उन्नत सेमिकंडक्टर उद्योग चीन के आक्रमण में एक बड़ी रुकावट है। नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के सहायक प्रोफसर ताओ यी–फेन ने सुझाव दिया कि ताइवान सरकार को अमेरिकी

राष्ट्रपति से जल्द से जल्द संपर्क करना चाहिए और रक्षा खर्च से जुड़े उपायों पर चर्चा करनी चाहिए। ताओ ने आगे कहा, ट्रंप ताइवान के लिए सीधे तौर पर सैन्य मदद का वादा नहीं करेंगे। लेकिन वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को यह सोचने का मौका नहीं देंगे कि उन्होंने ताइवान छोड दिया है।

### कनाडा में 'बटेंगे तो कटेंगे' की गूँज, भड़काऊ भाषण देने के आरोप में पुजारी निलंबित

कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में एक हिंदू मंदिर के पुजारी को हाल ही में खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों और वहां मौजूद लोगों के बीच हुई झड़प के दौरान हिंसक बयानबाजी फैलाने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। 3 नवंबर को ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में एक विरोध प्रदर्शन हुआ और सोशल मीडिया पर प्रसारित असत्यापित वीडियो में प्रदर्शनकारियों को खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े हुए दिखाया गया। वीडियो में मंदिर के आस–पास की ज़मीन पर मुक्कों की लड़ाई और लोगों को डंडों से एक–दूसरे पर हमला करते हुए दिखाया गया है। खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारी लोगों से भिड़ गए और मंदिर अधिकारियों और भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा सह–आयोजित एक कांसुलर कार्यक्रम को बाधित कर दिया। कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, हिंदू सभा मंदिर के एक बयान में कहा गया कि निलंबन रविवार को प्रदर्शनकारियों के साथ पुजारी की विवादास्पद भागीदारी के कारण किया गया था, लेकिन विस्तार से नहीं बताया गया।

# कमला हैरिस की शर्मनाक चुनावी हार पर बाइडेन ने तोड़ी चुप्पी, सत्ता हस्तांतरण को लेकर दे दिया बड़ा बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश को संबोधित किया। इस दौरान बाइडेन ने ट्रंप की जीत और कमला हैरिस की हार से निराश डेमोक्रेट्स को दिलासा देने की कोशिश की। बाइडेन ने इस चुनाव को अमेरिकी चुनाव प्रणाली की मजबूती का प्रमामण बताया और सभी से कहा कि सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया सुचारू रुप से आगे बढ़ेगी। बाइडेन ने कहा कि देश ने जो विकल्प चुना है, हम उसे स्वीकार करते हैं। मैंने ट्रंप से बात की। उन्हें जीत पर बधाई दी। मेरा पूरा प्रशासन शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता सौंपने के लिए उनकी टीम के साथ काम करेगा। अमेरिकी लोग इसी के हकदार है। कमला हैरिस से बात की, उन्हें अपने अभियान पर गर्व होना चाहिए। बाइडेन ने कहा कि हर रास्ते पर चुनौतियां होती हैं। लेकिन हार मान लेना किसी भी हालत में सही नहीं है। मैं अपने देश की जनता से वादा करता हूं कि संविधान का पालन करते हुए मैं अपनी जिम्मेदारियां निभऊंगा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप को फोन कर जीत की बधाई दी है। आधिकारिक कार्यालय और आवास वाइट हाउस ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से भी फोन पर बात की और उन्हें उनके ऐतिहासिक अभियान के लिए बधाई दी। ट्रंप के साथ बातचीत में बाइडन ने सुचारू रूप से सत्ता ट्रांसफर सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता

व्यक्त की और देश को एकजुट करने के लिए काम करने के महत्व पर बल दिया। ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान टीम के संचार निदेशक स्टीवन चेडंग ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने ट्रंप को उनकी जीत पर बधाई देने के लिए फोन किया और वर्तमान प्रशासन और आगामी प्रशासन के बीच एक सहज संक्रमण (सत्ता ट्रांसफर की प्रक्रिया) सुनिश्चित करने के लिए वाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।